प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 15 अंक- 62
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

शनिवार 15 फरवरी 2025
लखनऊ
विक्रम सम्वत् 2081

तापमान
अधिकतम 28°
न्यूनतम 13°

हिन्दी दैनिक

लखनऊ, कानपुर, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

खरी कसौटी

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ

E-paper: www.kharikasauti.com

लखनऊ संस्करण

RNI NO. UPHIN/2010/35142

एआई सिटी के रूप में विकसित... 03 | आयकर कानून के सरल होने से... 04 | अमेरिका में सफल रही पीएम... 08

हमारे भीतर शरीर भी है और आत्मा भी है। लेकिन मन जब हावी होता है तो इन दोनों को बांट देता है। अगर मन को हटा दें तो शरीर और आत्मा का अंतर समाप्त हो जाए। मन के हटते ही आप समझ जाएंगे कि हम और परमात्मा एक ही हैं।

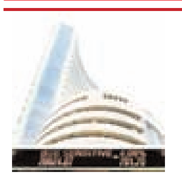

सेंसेक्स
75,939
निफ्टी
22,929

संक्षिप्त खबरें

फिर हाथों में हथकड़ी? मोदी के अमेरिका से निकलते ही बड़ी खबर

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना अमेरिका दौरा समाप्त कर भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। लेकिन पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिका की तरफ से एक बार फिर अवैध प्रवासियों की टोली भारत आने को तैयार है। अबकी बार दो जहाजों में भरकर अवैध प्रवासी भारत आ रहे हैं। अमेरिका से निर्वासित 119 भारतीय प्रवासियों को लेकर दो उड़ानें 15 फरवरी और 16 फरवरी को अमृतसर के गुरु राम दास अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दोनों उड़ानें 15 फरवरी और 16 फरवरी को रात 10.05 बजे उतरने वाली हैं। उड़ानों में अधिकांश निर्वासित लोग पंजाब (67) से हैं। पीटीआई के मुताबिक, उनके बाद हरियाणा (33), गुजरात (8), उत्तर प्रदेश (3), महाराष्ट्र (2), गोवा (2), राजस्थान (2) और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के एक-एक लोग हैं।

पूरे रौ में दिखे गडकरी बोले: मेरे पास भी धन की कोई कमी नहीं है, आप पैसे मांगते-मांगते थक जाएंगे, लेकिन मुझे देने में कोई समस्या नहीं होगी

केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गिनाईं विकास की उपलब्धियां

लखनऊ के रिंग रोड पर फ्लैश बस चलवाऊंगा

1028 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

गडकरी ने की योगी की प्रशंसा

❒ केशव जी, आपके पास अर्बन डेवलमेंट विभाग है, आप आइए, मैं हवा में चलने वाली बस को मंजूरी दे दूंगा: गडकरी

लखनऊ। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- योगी ने यूपी में रामराज स्थापित किया। देश बदल रहा है। सबसे अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश बदल रहा है। देश में ईमानदारी से काम करने वाले नेताओं की कमी है। उन्होंने कहा- मैं यूपी में 5 लाख करोड़ की सड़कों का निर्माण पूरा करना चाहता हूं। रही पैसे की बात, तो जैसे महाभारत में द्रौपदी की थाली थी। चाहे कितने भी लोग भोजन करने आ जाएं। कोई समस्या नहीं होती थी। मेरे पास भी धन की कोई कमी नहीं है। आप पैसे मांगते-मांगते थक जाएंगे, लेकिन मुझे देने में कोई समस्या नहीं होगी।

गडकरी ने कहा कि मैंने योगी जी से कहा कि यूपी में हवा में चलने वाली बस शुरू करें। मुझे पैसे नहीं, सिर्फ अनुमति चाहिए। केशव जी, आपके पास अर्बन डेवलमेंट विभाग है। आप आइए, मैं हवा में चलने वाली बस को मंजूरी दे दूंगा। हमारा देश विश्वगुरु बनने वाला है। हम रहें या न रहें, लेकिन तेरा वैभव अमर रहे, मां...यही हमारा संस्कार है, यही हमारी प्रेरणा है।

गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है। जल्द ही यूपी देश की आर्थिक रीढ बनेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता हासिल की है। नितिन गडकरी लखनऊ में आयोजित 1028 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरू व 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका अहम होगी। उन्होंने जोर दिया कि अगर सड़क, जल, ऊर्जा, परिवहन और संचार की व्यवस्थाएं मजबूत होंगी, तो उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, पूंजी निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का ऐसा मजबूत वातावरण बना है, जहां अपराधियों में भय और निवेशकों में विश्वास है। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश जल्द ही देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्यों में शामिल होगा और भारत को विश्वगुरु बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

नितिन गडकरी ने भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रांति ला दी- राजनाथ

कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा- पूरी दुनिया में 6 साल पहले कहा गया कि लखनऊ जितनी तेजी से विकसित हो रहा है। उसकी तुलना में अन्य शहरों की जमीन की कीमतें बढ़ रही हैं। दुनिया के टॉप 10 शहरों में लखनऊ का नाम आ गया है। पहली बार रूरल और अर्बन विकास की चिंता अटल जी ने की थी। नितिन गडकरी ने भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रांति ला दी है। बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। मैं सिर्फ अर्बन विकास की बात आप लोगों के सामने रखना चाहता हूं। 2004 से 2014 तक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर एक लाख 78 हजार करोड़ खर्च हुए। 2014 से 2024 तक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 28 लाख 52 हजार करोड़ का निवेश किया गया है। यूपी में तेजी से विकास हो रहा है। राजनाथ सिंह ने ज्ञापन की कॉपी पढ़कर सुनाई, जो नितिन गडकरी को दी। उन्होंने कहा- मैं यहां नेता के तौर पर नहीं बोलता हूं। मैं यहां का प्रतिनिधि हूं। आप सब हमारे मतदाता हैं। इस बार का बजट भी सरकार की ओर से बहुत शानदार तरीके से पेश किया गया। इसमें टैक्स में लोगों को बड़ी राहत दी गई है। मेरी कोशिश है कि मेरा लखनऊ न केवल देश में बल्कि दुनिया के गिने-चुने शहरों में शामिल हो।

किया बड़ा एलान

रिंग रोड पर फ्लैश बस चलवाऊंगा

गडकरी ने कहा कि मैंने योगी जी से कहा- यूपी में हवा में चलने वाली बस शुरू करें। मुझे पैसे नहीं, परमिशन चाहिए। केशव जी आपके पास अर्बन डेवलपमेंट विभाग है। आप आइए, मैं हवा में चलने वाली बस को मंजूरी दे दूंगा। अभी हमने नागपुर में फ्लैश बस का टेंडर जारी किया है। इसमें एग्जीक्यूटिव चेयर है। सामने टीवी है। हवाई जहाज की तरह बस में बस होस्टेस रहेंगी। इसका किराया डीजल बस की तुलना में 30% कम होगा। मैं वादा करता हूं कि इसे पूरे लखनऊ के रिंग रोड पर चलाया जाएगा। राजनाथ जी से अनुरोध करूंगा कि एक बार दिल्ली आएं और प्रजेंटेशन देखें। मेरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश के विकास में इन्फ्रास्ट्रक्चर का बहुत बड़ा योगदान है। इससे भुखमरी, बेरोजगारी और गरीबी दूर होगी। मैं प्रयागराज में यमुना नदी पर समांतर पुल बनाने के लिए मंजूरी देता हूं। मुझे याद है कि अटल जी ने मुझे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना काम दिया था। उस वक्त पटवा जी मंत्री थे। वे मध्य प्रदेश के रहने वाले थे।

उत्तर प्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश की है तैयारी- गडकरी

गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में 'एडवांटेज विदर्भ' कार्यक्रम के तहत साढ़े 9 लाख करोड़ रुपये के उद्योग स्थापित हो रहे हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में भी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बड़े स्तर पर औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि जब कोई उद्योगपति निवेश करता है, तो वह सबसे पहले यह देखता है कि बिजली, पानी और सड़कों की स्थिति कैसी है। योगी सरकार ने इन सभी मोर्चों पर शानदार काम किया है, जिससे उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए पहली पसंद बन रहा है। गडकरी ने बताया कि प्रयागराज में हुए कुंभ मेले से राज्य की अर्थव्यवस्था को जबरदस्त फायदा हुआ। इस आयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो कम लागत में ज्यादा रोजगार उत्पन्न करता है। होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और स्थानीय कारीगरों को इसका सीधा लाभ मिला। चाहे टैक्सी वाले हों, होटल वाले हों या रेस्टोरेंट मालिक हों, सभी को भरपूर काम मिला है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था की वृद्धि हुई है। मैं इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ा हुआ हूं, इसलिए परिवहन मंत्री होने के नाते फ्यूल को भी बदल दिया। अब इलेक्ट्रिक ट्रक, इलेक्ट्रिक मशीनें और सीएनजी गाड़ियां आ रही हैं। अब किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता बन गया है। लोग मुझसे पूछते थे कि अगर इलेक्ट्रिक गाड़ियां रास्ते में बंद पड़ जाएंगी, तो क्या आप धक्का मारने आएंगे? अब हालात ऐसे हैं कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में 30% वेटिंग बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए जब दुनिया के बड़े उद्योगपति आते हैं, तो सबसे पहले पूछते हैं- क्या बिजली उपलब्ध है?

केंद्र से किसानों की वार्ता: चंडीगढ़ में तीन घंटे चली बैठक खत्म

चंडीगढ़। एमएसपी की कानूनी गारंटी व अन्य मांगों को लेकर एक साल से शंभू व खनौरी सीमा पर धरना दे रहे किसानों की शुक्रवार को चंडीगढ़ में केंद्र सरकार से अहम वार्ता खत्म हो गई है। केंद्र सरकार के साथ चंडीगढ़ में किसानों की बैठक खत्म हो गई है। शुक्रवार को लगभग तीन घंटे तक चली बैठक में दोनों तरफ से कोई हल नहीं निकल पाया है। किसानों के साथ केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। बैठक शाम 5 बजे शुरू हुई थी, जो रात 7.45 बजे तक चली। बैठक में किसानों की मांगों पर कोई हल नहीं निकल पाया है। इस वजह से अब किसानों के साथ दोबारा बैठक होगी। अगली बैठक 22 फरवरी को होगी बैठक में पंजाब के मंत्री गुरमीत खुड्डियां और कटारूचक्क और डीजीपी गौरव यादव भी रहे।

पीएम मोदी-राहुल करेंगे नए चुनाव आयुक्त का चयन, 17 को होगी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम को अंतिम रूप देने के लिए पीएम मोदी की अगुवाई वाली चयन समिति अगले सप्ताह बैठक करेगी। वर्तमान सीईसी राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से पहले, पैनल एक खोज समिति द्वारा चुने गए उम्मीदवारों में से एक नाम की सिफारिश करेगा। चयन समिति में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। 18 फरवरी को मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से पहले, पैनल बैठक करेगा और एक नाम को अंतिम रूप देगा। इसके बाद राष्ट्रपति सिफारिश के आधार पर अगले सीईसी की नियुक्ति करेंगे। पारंपरिक परंपराओं के अनुसार, पिछले साल एक नया कानून लागू होने से पहले, सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त (ईसी) को पदधारी की सेवानिवृत्ति के बाद सीईसी के रूप में पदोन्नत किया गया था। सीईसी और ईसी की नियुक्तियों पर नए कानून के अनुसार, एक खोज समिति पदों पर नियुक्ति के लिए प्रधान मंत्री के नेतृत्व वाले पैनल द्वारा विचार करने के लिए पांच सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों को शॉर्टलिस्ट करती है। राजीव कुमार के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त हैं।

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का समापन, बोले शाह...

धामी के प्रयासों से खेलभूमि बनी देवभूमि

उत्तराखंड का जताया आभार

❒ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खिलाड़ियों को दिए पुरस्कार

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के हलद्वानी में समापन समारोह के दौरान 38वें राष्ट्रीय खेलों में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वालों सेवा और खेल नियंत्रण बोर्ड, महाराष्ट्र और हरियाणा को पुरस्कार दिए। इस दौरान अपने संबोधन में शाह ने कहा कि मैं उत्तराखंड की आयोजन समिति का हृदय पूर्वक अभिनंदन करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि हार से निराश न होना ही खेल का संदेश है। आपके खिलाड़ियों लिए मेघालय में एक और मौका है। कई खेलों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने हैं।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद खेल के वातावरण में बहुत बड़ा बदलाव आया है। आज विश्व के फलक पर भारतीय खेलों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यहां खेलों के दौरान निशानेबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स की विधाओं में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने हैं। इन रिकॉर्डों से भारत को अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक हासिल करने की उम्मीद जगी है। मेजबान उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों का झंडा मेघालय को सौंपेगा।

सीएम कॉनराड संगमा ने अगले राष्ट्रीय खेलों के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों को शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि महज राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से ही देवभूमि खेलभूमि नहीं बनी, बल्कि इसके पीछे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी का दृढ़ संकल्प और प्रयास रहा। उन्होंने हर जिले में खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया, जिससे उत्तराखंड ने राष्ट्रीय खेलों में 21वें स्थान से छलांग लगाकर 7वां स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय खेल जगत ने एक नए युग में प्रवेश किया है। आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतरीन कोचिंग सुविधाएं, ने न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारा है, बल्कि विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

रिकॉर्ड: महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ के पार

खरी कसौटी ब्यूरो

महाकुम्भ नगरी। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम 'महाकुम्भ 2025' अब इतिहास रच चुका है। यहां अबतक पचास करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है।

50 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। इस विराट समागम का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया में केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले लोगों की संख्या से अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है। वहीं महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की अबतक की संख्या (50 करोड़ पार) को देखा जाए तो केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं से अधिक है। जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको की जनसंख्या भी इससे कहीं पीछे है। ये दिखाता है कि महाकुम्भ अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह सनातन धर्म के विराट स्वरूप का प्रतीक बन चुका है।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार करीब 40 करोड़ लोग आ सकते है।

राहुल ने अडाणी मामले को लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना

पीएम निजी मामला बताकर अपने दोस्त अडानी को बचा रहे: राहुल

सचिन अवस्थी (खरी कसौटी ब्यूरो)

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में गौतम अडानी पर अभियोग मामले पर सवाल खारिज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इसे निजी मामला बताकर अपने दोस्त को बचा रहे हैं।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला! अमेरिका में भी मोदी जी ने अडानी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया! जब मित्र का जेब भरना मोदी जी के लिए राष्ट्र निर्माण है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। अमेरिका के दौरे पर गए पीएम मोदी ने इस सवाल को खारिज कर दिया कि क्या उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ गौतम अडानी अभियोग मुद्दे पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा भारत एक लोकतंत्र है और हमारी संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' है, हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। मेरा मानना है कि हर भारतीय मेरा है। दो देशों के दो प्रमुख नेता कभी भी ऐसे व्यक्तिगत मुद्दों पर चर्चा नहीं करते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी समूह के कई अधिकारियों के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा परियोजना अनुबंधों से जुड़ी 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत योजना में शामिल होने का आरोप लगाते हुए आरोप दायर किया था।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने समूह पर प्रतिभूतियों और वायर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्होंने रिश्वतखोरी में लिप्त रहते हुए अमेरिकी निवेशकों को उनकी भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिबद्धताओं के बारे में गुमराह किया। अडानी समूह ने आरोपों से इनकार करते हुए इसे ''निराधार'' बताया। पिछले साल संसद के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद से विपक्ष ने भाजपा सरकार पर अपना हमला तेज कर दिया है, जिसमें इंडिया ब्लॉक द्वारा कई विरोध प्रदर्शन और वाकआउट किए गए थे।

अमेरिका दौरा खत्म › अवैध प्रवासियों पर बोले पीएम मोदी- मानव तस्करी खत्म करने की जरूरत

मानव तस्करी के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने की जरूरत

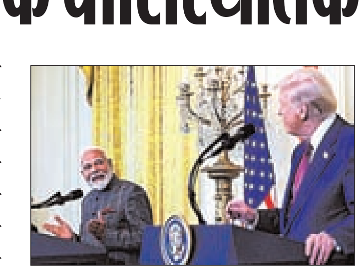

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत अपने नागरिकों को वापस लेने के लिए तैयार है, अगर वे अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं और मानव तस्करी के 'पारिस्थितिकी तंत्र' को खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया।

पीएम मोदी ने यह भी विश्वास जताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने में भारत के साथ पूरा सहयोग करेंगे। जो लोग दूसरे देशों में अवैध रूप से रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। जहां तक भारत और अमेरिका का सवाल है, हमने हमेशा कहा है कि जो लोग सत्यापित हैं और वास्तव में भारत के नागरिक हैं - अगर वे अमेरिका में अवैध रूप से रहते हैं, तो भारत उन्हें वापस लेने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से रहने वाले ज्यादातर लोग साधारण परिवारों से हैं और मानव तस्करों द्वारा गुमराह किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन यह हमारे लिए यहीं तक सीमित नहीं है। ये साधारण परिवारों के लोग हैं। उन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते हैं और उनमें से ज़्यादातर ऐसे होते हैं जिन्हें गुमराह करके यहाँ लाया जाता है। इसलिए, हमें मानव तस्करी की इस पूरी व्यवस्था पर हमला करना चाहिए। अमेरिका और भारत को मिलकर इस तरह के पारिस्थितिकी तंत्र को जड़ से खत्म करने का प्रयास करना चाहिए ताकि मानव तस्करी खत्म हो जाए.. हमें पूरा भरोसा है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने में भारत का पूरा सहयोग करेंगे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में अमेरिका में भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना की और घोषणा की कि भारत लॉस एंजिल्स और बोस्टन में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा।

बड़ी सफलता

❒ 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद

उन्होंने 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका एक साथ रहे हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा के दूसरी तरफ से पैदा होने वाले आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। मैं राष्ट्रपति का आभारी हूं कि उन्होंने 2008 में भारत में नरसंहार करने वाले एक अपराधी को भारत प्रत्यर्पित करने का फैसला किया है।

संक्षिप्त खबरें

बिजली विभाग में 18.73 लाख का घोटालाः एसडीओ के चालक ने आईडी हैक कर बिल में की हेराफेरी

उन्नाव। बंथर विद्युत वितरण खंड तृतीय में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। एसडीओ अरविंद कुमार के चालक आशीष कुमार ने विभागीय बिल संशोधन आईडी को हैक कर विभाग को 18.73 लाख रुपये का चूना लगा दिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी चालक ने एसडीओ के लैपटॉप का दुरुपयोग करते हुए विभागीय आईडी को हैक किया और कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल में अवैध कटौती की। इसके बदले उसने उपभोक्ताओं से मोटी रकम वसूली। मामला तब उजागर हुआ जब पिछले महीने के संशोधित बिलों की रकम नए बिलों में जुड़कर आई और उपभोक्ताओं ने शिकायतें दर्ज करानी शुरू कीं। घोटाले की गंभीरता को देखते हुए अधिशासी अभियंता ने एसडीएम गोकुलबाबा भरत गौतम सहित दो सदस्यीय जांच टीम गठित की है। टीम को दस दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीओ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना में चालक आशीष कुमार और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस घोटाले से जहां विभाग को आर्थिक नुकसान हुआ है, वहीं उपभोक्ताओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस इस साइबर अपराध की जांच में जुटी हुई है।

मूर्ति विसर्जन को जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलटीः 8 गंभीर

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को एक तेज रफ्तार लोडर ने टक्कर मार दी। चकलवंशी-परियर मार्ग पर हुए इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई, जिससे 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव से परियर घाट जा रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्राली के पलटते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सीएचसी सफीपुर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। माखी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से ट्रैक्टर-ट्राली को हटवाया और यातायात बहाल किया। पुलिस ने लोडर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से वाहनों की तेज रफ्तार पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या

NER-BSB0SnT-OT-02-2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिगनल एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली ई-निविदा" आमंत्रित की जाती है :-

क्रमांक-1 निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: NER-BSB0SnT-OT-02-2025: कार्य का नामः वाराणसी मंडल में व.म.सि.दू.ई.-II/वारा. महोदय के सेक्शन में विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य के संबंध में सिगनलिंग कार्य। **विवरणः** अनुमानित लागतः ₹ 3,68,42,392.69, बयाना की राशिः ₹ 3,34,200/-, निविदा प्रपत्र की कीमतः ₹ 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समयः 06-03-2025 को 15:00 बजे।

(1) ई-निविदा दिनांक 06-03-2025 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा।

(2) पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग. एवं दूरसंचार

मुजाधि/सिगनल-99 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

एसीवोल्ट कर्षण को चालू करना 25000 "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वोत्तर रेलवे के **गोरखपुर कैन्ट-गोरखपुर** ज० तीसरी लाईन खण्ड पर 25000 विद्युत कर्षण आरम्भ करने के लिए सभी समपारों पर सड़क सतह से अधिकतम 4.78 मीटर ऊँचाई की गेजे लगाई गई है, ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाली लोडेड सड़क वाहन को विद्युतमय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकता या संपर्क में आने से रोका जा सके। जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सड़क वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों का अतिक्रमण न करें। **अत्यधिक ऊँचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार है-** 1. ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा। 2. वाहन पर ले जाये जा रहे सामाग्रियों या उपकरण को खतरा। 3. चालकों की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क के कारण आग लगने का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

उप मुख्य विद्युत इन्जीनियर/निर्माण

मुजाधि/विद्युत-243 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

केजीएमयू में सर्जिकल शिक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ।जनरल सर्जरी विभाग, केजीएमयू ने शुक्रवार को सर्जिकल शिक्षा कार्यक्रम का अंतिम दिन आयोजित किया। पिछले सत्र के दौरान छात्रों ने चिकित्सा विज्ञानों में मूत्र संबंधी रोगों, बेरियाट्रिक प्रक्रियाओं, बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगों और आंकड़ों के बारे में सीखा। डॉ. एपुल गोयल, यूरोलॉजी, केजीएमयू ने मूत्रमार्ग विकारों के बारे में विस्तार से और विभिन्न उपचार विकल्पों के बारे में चर्चा की। डॉ. एच. एस. पाहवा, यूरोलॉजिस्ट, केजीएमयू ने प्रोस्टेट रोगों और मूत्र पथ के संक्रमण के बारे में भी चर्चा की, जो पुरुषों में एक बहुत ही आम समस्या है। डॉ. अरशद अहमद और डॉ. संजीव कुमार ने गुदा विदर, बवासीर और

फिस्टुला के बारे में विस्तार से चर्चा की, जो रोगियों के लिए बहुत प्रचलित और परेशान करने वाली बीमारी है। डॉ. अवनीश कुमार (जनरल सर्जरी विभाग) ने विभिन्न बेरियाट्रिक सर्जरी विकल्पों के बारे में चर्चा की और बताया कि मोटापे की जटिलताओं से बचने के लिए और कॉस्मेटिक उद्देश्यों के लिए नहीं। उन्होंने विभिन्न बेरियाट्रिक प्रक्रियाओं और उनके संकेतों के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि बेरियाट्रिक सर्जरी वजन घटाने के साथ मधुमेह को बेहतर बनाने में मदद करती है। प्रो. एस एन कुरील, प्रो. जेडी रावत और डॉ. आनंद पांडे (पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, केजीएमयू) ने हाइपोस्पेडिया, एनोरेक्टल विकृति और वृषण रोगों जैसे विभिन्न बाल चिकित्सा सर्जिकल स्थितियों के प्रबंधन पर एक बहुत ही दिलचस्प चर्चा की। जो छात्र विभिन्न संस्थानों से उपस्थित हुए थे। केजीएमयू के डॉ इमरान रिजवी, प्रो. हरदीप और डॉ. सौम्या सिंह, , केजीएमयू, प्रोफ़ेसर हिमांशु से मेडिसिन विभाग के न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा ली गई अनुसंधान पद्धति और सर्जिकल नैतिकता पर एक अलग सत्र भी था, जिन्होंने चिकित्सा नैतिकता, सांख्यिकी और अनुसंधान के बारे में और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा हुई।सत्र के अंत में एक एंडो-ट्रेनिंग कार्यशाला के साथ संपन्न हुआ जिसने छात्रों को लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में अपने व्यावहारिक कौशल को बढ़ाने का अवसर दिया। पूरे सत्र को डॉ। सौम्या सिंह और डॉ. वैभव राज गोपाल ने संचालित किया।

बीबीएयू एमबीए छात्रों का एचसीएल समुदाय केंद्र, संडीला (हरदोई) का शैक्षणिक दौरा

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के प्रबंधन अध्ययन विभाग के एमबीए छात्रों ने 14 फरवरी 2025 को हरदोई जिले के संडीला स्थित एचसीएल समुदाय केंद्र का शैक्षणिक दौरा किया। इस अध्ययन भ्रमण का नेतृत्व विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

उनके साथ सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी एवं डॉ. अर्पित शैलेश भी मौजूद रहे। इस दौरान एचसीएल समुदाय की ओर से सौरभ तिवारी एवं उनकी टीम ने छात्रों को विस्तृत जानकारी प्रदान की और विभिन्न परियोजनाओं की कार्यप्रणाली को गहराई से समझाया। दौरे के दौरान छात्रों ने एचसीएल कॉरपोरेशन की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल, एचसीएल समुदाय के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान छात्रों ने कृषि तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया, जहां उन्होंने जाना कि एचसीएल किसानों को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने में कैसे सहायता कर रहा है।

इसके बाद छात्रों ने बनास डेयरी का भ्रमण किया और जाना कि कैसे सहकारी संस्थाएं ग्रामीण समुदायों को दूध संग्रहण एवं विपणन में सहयोग प्रदान कर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति कर रही हैं। इसके अलावा, छात्रों ने मॉडल पंचायत केंद्र, सौर ऊर्जा संयंत्र, और आदर्श स्वास्थ्य सुविधा केंद्र का भी अवलोकन किया।

इन सभी परियोजनाओं में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। इस शैक्षणिक दौरे ने छात्रों को ग्रामीण विकास, सतत विकास लक्ष्यों, और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यवहारिक समझ प्रदान की। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं छात्रों ने एचसीएल समुदाय पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे उद्योग-शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

चौयरमैन ने बिजली बिल वसूली में सुस्ती पर तीन चीफ इंजीनियर को हटाया

लखनऊ। बिजली बिल वसूली में लापरवाही और खराब परफर्मेंस के चलते मिर्जापुर, बरेली-1 और मेरठ-1 के चीफ इंजीनियरों को हटा दिया गया है। वहीं, मेरठ-2, आगरा, बांदा, कानपुर-2 और अलीगढ़ के चीफ इंजीनियरों को चार्जशीट देने का निर्देश दिया गया है। पावर करपोरेशन के चेयरमैन आशीष कुमार गोयल ने लखनऊ में सभी बिजली कंपनियों के एमडी के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें अयोध्या और सीतापुर के चीफ इंजीनियरों को ट्रांसफार्मर क्षति में बढ़ोतरी पर कारण बताओ नोटिस जारी करने का फैसला लिया गया। बिजली विभाग के दफ्तरों में अब कर्मियों की हाजिरी बायोमैट्रिक सिस्टम से लगेगी। डिस्कम अधिकारियों के मुताबिक, यह व्यवस्था मार्च तक पूरी तरह लागू कर दी जाएगी।चेयरमैन ने निर्देश दिया कि बिजली आपूर्ति जितनी की जाए, उतनी ही वसूली भी हो।

इस बार गर्मी में 32000 मेगावाट के पार करेगी मांगः उपभोक्ता परिषद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन जहां निजीकरण के सगूफे में जुटा है वही उसे शायद यह पता होना चाहिए कि वर्तमान में फरवरी में बिजली की डिमांड 8 फरवरी को 20456 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। आने वाले गर्मी के महीने में अप्रैल मई जून में इस बार अधिकतम डिमांड 32000 से 33000 मेगावाट तक जा सकती है। उत्तर प्रदेश के समस्त इंतजामों पर नजर डाला जाए तो अभी तक उत्तर प्रदेश में 28000 मेगावाट से ज्यादा का इंतजाम कहीं दिख नहीं रहा है। पावर कारपोरेशन को इस भी पता होना चाहिए कि इसके पहले गर्मी में लोकसभा के चुनाव के चलते उत्तर प्रदेश सरकार ने सबको अधिक से अधिक बिजली देने के लिए खूब सहायता प्रदान की थी। इस बार सरकार कितनी सहायता प्रदान करती है इस पर भी बहुत बड़ा निर्भर करता है। उपभोक्ता प्रसाद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा हर साल गर्मी में बिजली कंपनियां कहीं अपने सिस्टम को लेकर कहीं बिजली की उपलब्धता को लेकर रोना रोने लगते हैं। ऐसे में इस बार बिजली की डिमांड को बढ़ाने के लिए पावर कारपोरेशन को हर स्तर पर जुटना चाहिए।

कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश की बैठक आयोजित

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। शुक्रवार को वी0पी0 मिश्र अध्यक्ष एवं शशि कुमार मिश्र महासचिव के नेतृत्व में 8वें वेतन आयोग के गठन के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार के पत्र संख्या-01-01 / 2025-क्क्क्क (इ) दिनांक 17.01.25 के क्रम में वित्त वेतन आयोग अनुभाग-2 उ0प्र0 शासन द्वारा पत्र संख्या-वे0आ0-2-78/दस/2025 दि0 11.02.25 के क्रम में प्रदेश के राज्य कर्मचारियों, स्थानीय निकायों, निगमों, प्राधिकरणों, शिक्षकों आदि के कर्मचारियों के संवर्गों हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा मांगों हेतु सुझाव हेतु संयुक्त मोर्चा के घटक संगठनों के एक अहम बैठक नगर निगम महासंघ कार्यालय में आहूत की गयी, जिसमें प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के कैडर एवं संवर्गों

की बेहतरी हेतु सुझावों पर व्यापक चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार के वित्त मंत्रालय एवं मुख्य सचिव के अवलोकनार्थ ई-मेल एवं हार्ड कॉपी द्वारा प्रेषित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से सातवें वेतन आयोग की विसंगतियों एवं संवर्गों के पुर्नगठन आदि न होने के कारण हो रहे कर्मचारी समाज को आर्थिक क्षति से अवगत कराते हुए व्यापक रूप से 18 बिन्दुओं के सुझाव प्रेषित करते हुए आशा व्यक्त की गयी है कि संयुक्त मोर्चा द्वारा दिये गये सुझाव पर केन्द्र सरकार की समानता को ध्यान रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारी समाज की बेहतरी हेतु प्रस्तुत सुझावों पर अक्षरशः पालन किया जायेगा। जिससे कर्मचारी एवं प्रदेश की संस्थाओं एव कार्य पद्धति में गुणात्मक सुधार आयेगा। बैठक में प्रमुख रूप से सतीश कुमार पाण्डे, अतुल कुमार मिश्र, एन0के0 मिश्र, सै0 कैसर रजा, संदीप बडोला, आर0पी0 सिंह, सुरेश रावत, सुनील यादव, राम कुमार धानुक, अमित खरे, मनोज मिश्र, गिरीश मिश्र, राजेन्द्र पटेल, हेमन्त चौधरी, विवेक यादव, त्रिवेन्द्र चौहान, सुभाष श्रीवास्तव, पी0के0 सिंह आदि राज्य/निकाय/निगम / शिक्षक कर्मचारी प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

काशी तमिल संगमम का साक्षी बनेगा महाकुम्भ, 16 फरवरी से आयोजन

खरी कसौटी ब्यूरो

संगम में डुबकी लगाने और मंदिरों के दर्शन के बाद डिजिटल कुम्भ प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे अतिथि

महाकुम्भ नगर। काशी तमिल संगमम प्रयागराज महाकुम्भ में उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों का साक्षी बनेगा। 16 फरवरी से 24 फरवरी के बीच दक्षिण भारत के अतिथि प्रयागराज महाकुम्भ भी आएंगे । काशी तमिल संगमम का यह तीसरा संस्करण '' एक भारत, श्रेष्ठ भारत '' के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में उपयोगी साबित होगा।

प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्रों वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने क्रम में काशी तमिल संगमम का आयोजन किया जा रहा है । काशी तमिल संगमम का उद्देश्य एकता में विविधता को मजबूत करना है, विशेष रूप से काशी और तमिलनाडु के बीच संबंध को सुदृढ़ करना है। इस वर्ष काशी तमिल संगमम दो महत्वपूर्ण आयोजनों के साथ हो रहा है जो इसे और विशिष्ट बनाने जा रहा है। इसमें संगम, प्रयागराज में महाकुंभ का उत्सव और अयोध्या में

रामजन्म भूमि मंदिर का उद्घाटन शामिल है । वैसे तो काशी तमिल संगमम (3.0) का मुख्य कार्यक्रम वाराणसी में मनाया जाएगा लेकिन इन प्रतिनिधियों को संगम, प्रयागराज में पवित्र स्नान और अयोध्या में भगवान राम के दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। डीएम प्रयागराज रविंद्र कुमार मांदड़ का कहना है कि प्रयागराज में इसके आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसका आयोजन 15 फरवरी से 24 फरवरी 2025 तक होगा। प्रयागराज महाकुंभ भी इसका साक्षी बनने जा रहा है। काशी तमिल संगमम के अतिथियों का महाकुंभ में 16 फरवरी को सेक्टर 22 के दिव्य कुंभ रिट्रीट टेंट सिटी में आगमन होगा । यहीं पर उनका स्वागत, अभिनंदन होगा। महाकुंभ नगर ने सेक्टर 21 में अहिल्याबाई होलकर मंच में शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। अगले दिन 17 फरवरी को प्रतिनिधि संगम में स्नान करने के बाद लेटे हनुमान जी का , शंकर विमान मंडपम में दर्शन करेंगे। डिजिटल कुंभ प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद ये अयोध्या धाम के लिए शाम को प्रस्थान कर जाएंगे। इस तरह हर एक ग्रुप का महा कुम्भ में दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम होगा।

इस बार के काशी तमिल संगमम में युवाओं की भागेदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। पिछले दो संस्करण में इसमें 4000 लोग शामिल हो चुके हैं ।प्रशासन का अनुमान है कि इस वर्ष काशी तमिल संगमम में 1000 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके लिए 5 श्रेणियों बनाई गई हैं। छात्र, शिक्षक, किसान और कारीगर, पेशेवर और छोटे उद्यमी, महिलाएं और शोधकर्ता इसमें भाग लेंगे। इसके अलावा, सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों से 200 तमिल छात्रों का एक बैच वाराणसी, प्रयाग राज और अयोध्या में स्थानीय यात्राओं में भी भाग लेगा। वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या में स्थानीय कार्यक्रम होंगे, जिसमें दोनों केंद्रों के विशिष्ट ज्ञान को शामिल किया जाएगा। इसमें महाकुम्भ को प्राथमिकता में रखा जाएगा। काशी तमिल संगमम का तीसरा संस्करण भारतीय चिकित्सा की सिद्ध प्रणाली के संस्थापक और तमिल भाषा के प्रथम व्याकरणविद ऋषि अगस्त्यर के योगदान की थीम आधारित है। ऋषि अगस्त्यर चोल, पांड्य आदि जैसे अधिकांश तमिल राजाओं के कुलगुरु थे। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य विषय सिद्ध चिकित्सा पद्धति (भारतीय चिकित्सा), शास्त्रीय तमिल साहित्य और राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता में ऋषि अगस्त्यर के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करना है।

सी.एम.एस. छात्रों ने 31 गोल्ड मेडल समेत 124 पदक जीते

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के मेधावी छात्रों ने सिंगापुर मैथ्स चैलेन्ज ओलम्पियाड में 31 गोल्ड मेडल, 26 सिल्वर मेडल एवं 67 ब्रांज मेडल समेत 124 पदक अर्जित कर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर लखनऊ का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित ओलम्पियाड में 22 देशों के 36,309 छात्रों ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. छात्रों ने सर्वाधिक पदक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इन सभी मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के कम्युनिकेशन विभाग के हेड श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सिंगापुर मैथ्स चैलेन्ज उत्कृष्टता हेतु विश्व स्तर पर जाना जाता है, जो अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडो के अनुरूप छात्रों की गणित प्रतिभा का आकलन करता है। इसके अलावा, यह ओलम्पियाड प्रतिभाशाली छात्रों को गणित के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, सहयोग और नवाचार के लिए भी एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। श्री खन्ना ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड में गोल्ड मेडल अर्जित करने वाले छात्रों में प्रगुण वैश्य, अदिति त्रिपाठी एवं प्रज्ञा सिंह शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

पुलवामा के वीर शहीद को श्रद्धांजलिः उन्नाव में विधायक ने शहीद के परिवार को हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

उन्नाव। चौरा गांव में पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर सपूत अजीत कुमार आजाद की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में सदर विधायक पंकज गुप्ता, नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक भाजपा नेता विमल द्विवेदी, हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में शहीद के पिता प्यारे लाल, पत्नी मीना गौतम और परिवार के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में सभी ने शहीद के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक पंकज गुप्ता ने परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार शहीद परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी है। कार्यक्रम के दौरान 'अमर शहीद अजीत कुमार आजाद अमर रहें' के नारे गूंजे। भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने शहीदों की याद को जीवित रखने और उनकी कुर्बानी से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मौजूद युवाओं ने देश सेवा का संकल्प लिया और वक्ताओं ने उन्हें सेना में भर्ती होने की अपील की। स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक ने शहीद स्मारक के सौंदर्यीकरण का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 वीर जवानों को भी याद किया गया। अंत में दो मिनट का मौन रखकर सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

भाकपा माले का 14 वां राज्य स्तरीय सम्मेलन 15 से बलिया में होगा शुरू पीलीभीत के प्रतिनिधि भी लेंगे भाग

पीलीभीत। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माले का 15 से 16 फरवरी तक उत्तर प्रदेश का राज्य सम्मेलन बलिया के तुलसीपुर सिकंदरपुर में आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से प्रांतीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन को मुख्य वक्ता दीपांकर भट्टाचार्य महासचिव भाकपा माले संबोधित करेंगे। पीलीभीत जिला सचिव भाकपा माले देवाशीष राय ने संक्षिप्त जानकारी देते कहा कि इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की संप्रदायिक घृणा व बुलडोजर न्याय की धारणा से उत्पीड़न की कार्यवाही किए जाने,प्रतिनिधियों की मनमानी नीतियों के खिलाफ एक मसौदा दस्तावेज तैयार किया जाएगा। सम्मेलन में 400 प्रतिनिधियों के द्वारा प्रतिवाद मार्च भी निकाला जाएगा। पीलीभीत से दो प्रांतीय प्रतिनिधि के अलावा 15 16 अन्य चुने गए प्रतिनिधि भी सम्मेलन में भाग लेने गए हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अनेक जनप्रतिनिधियों के इशारे पर दमनकारी कार्यवाही के खिलाफ भी सम्मेलन में विषय को रखा जाएगा। विभिन्न मुद्दों पर रूपरेखा तैयार कर मसौदा तैयार किया जाएगा।

तैयारियां पूर्ण; आज होगा बलिदानी जदुनाथ सिंह की नई प्रतिमा का अनावरण, व्यवस्थाएं चाक चौबंद

कलान/शाहजहांपुर। कलान तहसील क्षेत्र के खजुरी गांव में अमर बलिदानी की नई प्रतिमा के अनावरण को लेकर तैयारियां पूर्ण हो गई है। प्रतिमा के अनावरण के लिए आज किसी उच्च अधिकारी के आने की संभावना है। करीब पांच बीघा भूमि में एक हेलीपैड बनाया गया है। प्रतिमा स्थल के सामने लगभग 30 से 40 मीटर की रेंज का सेना के जवानों ने कार्यक्रम का मंच तैयार किया है। इसके लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। ताकि अनावश्यक भीड़ न हो। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोगों के साथ जनपद के करीब तीन से चार हजार लोगों की आने की संभावना है। इसके लिए प्रशासन ने इंतजाम पूरे कर लिए हैं। बीते दिनो पहले करीब चार से पांच बार प्रतिमा स्थल के समीप बने हेलीपैड पर बरेली से आए सेना के हेलीकॉप्टर लैंडिग कर उड़ान का अभ्यास कर चुके हैं। आज शनिवार को परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह की नई प्रतिमा का सेना के उच्च अधिकारी द्वारा अनावरण होना है। जदुनाथ सिंह भारत-पाकिस्तान युद्ध 1947 में अद्वितीय साहस का योगदान देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। मंच स्थल समीप अनावश्यक भीड़ न हो इसके लिए सेना के जवानों ने जगह-जगह बैरिकेडिंग करवा दी है। उच्च अधिकारियों के वाहनों के आवागमन को लेकर रुट निर्धारित किए गए है। आम नागरिकों के लिए मंच के सामने से आने के लिए प्रोटोकॉल बनाया गया हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यवस्थाएं चाक चौबंद है। मैन रोड से लेकर मुख्य चौराहों का गलियों में पुलिस बल व सेना के जवानों की तैनाती की गई है। सेना के जवान कार्यक्रम की निगरानी करेंगे।

जिलाधिकारी ने राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

शाहजहांपुर। शुक्रवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई कार्यालय, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, दवाई स्टोर रूम एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पहुंचकर दवाई हेतु पर्चा बनने, दवाई वितरण, मरीज पंजीकरण पंजिका एवं उपस्थित पंजिका का अवलोकन किया। उन्होंने दवा लेने आए मरीज से मिलने वाली चिकित्सीय व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने 70 वर्ष से अधिक बन रहे आयुष्मान जन आरोग्य कार्ड के संबंध में जानकारी ली और निर्देश दिए कि कोई भी 70 वर्ष से अधिक व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनने से वंचित न रहे तथा शेष बनने से बचे आयुष्मान कार्डों को 28 फरवरी बना लिए जाए। जिलाधिकारी ने दवाई स्टोर रूम में पहुंचकर दावों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली तथा स्टॉक से दावों का मिलान करवाया। स्टोर रूम में रखें कुलर, इनवर्टर को देखकर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आवश्यकता अनुसार सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजवाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि पुराने जिला चिकित्सालय के क्षेत्रफल का लेखपाल द्वारा सर्वे कराकर क्षेत्रफल से अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में पहुंचकर चल रहे टीबी अभियान के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने जनपद में चल रहे प्राइवेट अस्पतालों एवं अल्ट्रासाउंड के रजिस्ट्रेशन के संबंध में जानकारी ली। सीएमओ द्वारा 119 प्राइवेट अस्पताल एवं 66 अल्ट्रासाउंड के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि नियमित सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अन्सार अली सहित संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

चाइनीज मांझे से पुलिस कांस्टेबल घायलः कटी गर्दन

शाहजहांपुर। नगर में चाइनीज मांझे का कहर जारी है। शुक्रवार शाम को एक पुलिस कॉन्स्टेबल इसकी चपेट में आ गए। पीआरवी 1377 पर तैनात कॉन्स्टेबल जय कुमार जब बाइक से हथौड़ा चौराहा की ओर जा रहे थे, तब रोजा थाना क्षेत्र के लोधीपुर मोहल्ले के पास एक कटी हुई पतंग का मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। मांझे से गर्दन में गहरा कट लग गया और खून निकलने लगा। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया।जहां उनका इलाज किया गया। यह घटना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। महज एक महीने पहले ही एक अन्य पुलिस कॉन्स्टेबल की चाइनीज मांझे से मौत हो गई थी। उस घटना के बाद पुलिस ने तीन दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। बसंत पंचमी पर चाइनीज मांझे के इस्तेमाल पर रोक का दावा किया था। लेकिन हकीकत में त्योहार के दिन भी चाइनीज मांझे से खूब पतंगबाजी हुई। थाना प्रभारी राजीव कुमार के अनुसार घटना की सूचना मिली है। मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि पुलिस प्रशासन की सख्ती के बावजूद चाइनीज मांझे का अवैध कारोबार और इस्तेमाल थमा नहीं है। जिससे लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। घायल पुलिस कांस्टेबल को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

गंगाघाट में जाम से लोग परेशानःपुराना पुल बंद होने से मुश्किल, मुख्य सचिव से नए पुल की मांग की

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट में यातायात की गंभीर समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष कौमुदी पांडेय ने मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से लखनऊ सचिवालय में मुलाकात की। प्रतिनिधि संदीप पांडे की उपस्थिति में हुई इस बैठक में पालिकाध्यक्ष ने पुराने गंगा पुल के बंद होने से उत्पन्न परिस्थितियों से अवगत कराया। गंगाघाट और कानपुर के बीच पुराने पुल के बंद होने से हजारों नागरिकों की दैनिक जीवनचर्या प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के लिए कानपुर जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में न केवल अधिक समय लग रहा है, बल्कि ईंधन की भी अधिक खपत हो रही है। लोगों को भारी परेशानी गंगा बैराज पुल पर वाहनों का दबाव बढ़ने से वहां भी लंबा जाम लग रहा है। विशेष रूप से नौकरीपेशा लोग और स्कूली बच्चे इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पालिकाध्यक्ष ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए गंगाघाट और कानपुर के बीच एक नए पुल के निर्माण की मांग की है। त्वरित कार्रवाई का आश्वासन मुख्य सचिव ने इस गंभीर समस्या पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अगले मई-जून महीने से लखनऊ में शुरू हो जाएगा ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण का कार्य- रक्षा मंत्री

विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इन्वेस्ट हब के रूप विकसित हो रहा लखनऊ

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लखनऊ में 1028 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इस मौके पर राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ साथ इन्वेस्ट हब के रूप में लखनऊ को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में लखनऊ को दुनिया के उन शहरों में शामिल किया गया है, जहां तेजी के साथ विकास हो रहा है और भूमि की कीमतें सबसे तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यों का स्मरण करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की मंशानुरूप यूपी में शहरी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2004 से 2014 तक देश में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर केवल 1.78 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2014 से 2024 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र में

खरी कसौटी ब्यूरो

28.52 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। लखनऊ मेट्रो के विस्तार पर भी जोर दिया गया, जिसमें चारबाग से वसंत कुंज तक की परियोजना को जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में यातायात सुगमता के लिए कई फ्लाईओवर और हाईवे बनाए जा रहे हैं। पॉलीटेक्निक चौराहे से मुंशी पुलिया तक 170 करोड़ रुपये की लागत से बने चार लेन फ्लाईओवर और इंदिरा नगर से खुर्रमनगर तक 270 करोड़ रुपये की लागत से बने फ्लाईओवर का लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त, अमर शहीद पथ के पास सर्विस रोड के निर्माण हेतु 45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ के रेलवे नेटवर्क को और अधिक उन्नत किया जा रहा है। गोमतीनगर रेलवे टर्मिनस, आलमनगर सैटेलाइट स्टेशन, ऐशबाग और बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर और उत्तरेठिया स्टेशन का उच्चीकरण भी किया जा रहा है। हवाई सेवाओं को भी विस्तार देने के लिए लखनऊ एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुविधा और बेहतर हो सके। रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ में डिफेंस कॉरिडोर के तहत ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण परियोजना का उद्घाटन आगामी मई-जून में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास में एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगा। इसके अलावा, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिससे लखनऊ से कानपुर की यात्रा मात्र 40 मिनट में पूरी हो सकेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास के बाद उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। लखनऊ में रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और चिकित्सा क्षेत्र में भी नए निवेश देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने नितिन गडकरी से लखनऊ में और अधिक सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए अनुरोध किया, जिन्हें केंद्रीय मंत्री ने स्वीकृति दे दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाने की दिशा में यह परियोजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में लखनऊ भारत के शीर्ष शहरों में शामिल होगा और उत्तर प्रदेश देश की आर्थिक तरक्की में प्रमुख भूमिका निभाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा- मैं नितिन गडकरी का स्वागत करता हूं। वह हमारे शहर को कुछ देने आए हैं। लखनऊ में जो भी विकास दिख रहा है उसमें गडकरी जी का बड़ा योगदान है। मैंने जो भी काम बोला, उसमें एक भी काम ऐसा नहीं है जो गडकरी और सीएम योगी ने पूरा न किया हो। दोनों का खड़े होकर ताली बजाकर भव्य स्वागत कीजिए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने नितिन गडकरी को विदा किया

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में लखनऊ एयरपोर्ट पर विदाई दी। उन्होंने उनकी सफल यात्रा की शुभकामनाएँ देते हुए राज्य सरकार की ओर से आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व, उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में चार लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि नितिन गडकरी के नेतृत्व में देश के अधोसंरचना क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश को भी इससे बड़े स्तर पर लाभ मिला है, जिससे राज्य में कनेक्टिविटी और विकास परियोजनाओं को गति मिली है।

खेलों से आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास : डॉ. राजेश्वर

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। सरोजनीनगर के खेल प्रेमियों के बीच जोश और उत्साह का माहौल कायम करने वाली क्रिकेट चैम्पियनशिप अपने अंतिम दौर में प्रवेश कर गई है। शुक्रवार को जय जगत पार्क, कानपुर रोड पर सीएमएस स्कूल के निकट आयोजित इंटर स्पोर्ट्स क्रिकेट लीग के ग्रैंड फिनाले में उत्साही खेल प्रेमियों ने शानदार प्रदर्शन देखा।

इस ऐतिहासिक मुकाबले में सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल और आदर्श इंडिया मोंटेसरी इंटर कॉलेज की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें आदर्श इंडिया मोंटेसरी इंटर कॉलेज ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा अपनी पूज्य माता श्रीमती तारा सिंह जी की स्मृति में शुरू की गई सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग अब तक 8,000 से अधिक युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर चुकी है। इस लीग का उद्देश्य सिर्फ खेल को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, समर्पण, फिटनेस, और टीम स्पिरिट जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास करना भी है। यह आयोजन लखनऊ के सबसे बड़े खेल आयोजनों में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। ग्रैंड फिनाले के इस ऐतिहासिक अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने विजेता टीम को 50,000, उपविजेता टीम को 25,000, और हर खिलाड़ी को 2,500 की प्रोत्साहन राशि, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, मैन ऑफ द सीरीज आशुतोष पांडेय और मैन ऑफ द मैच विनय को 1,000 नगद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेलों के माध्यम से युवाओं को सशक्त करने का एक मंच है। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम स्पिरिट और कभी हार न मानने की शक्ति जैसे गुण विकसित होते हैं, जो जीवन में सफलता की कुंजी हैं। युवा जितना अधिक खेलों में सक्रिय रहेंगे, उतना ही फिट रहेंगे और देश की तरक्की में योगदान दे सकेंगे। उन्होंने खिलाडियों को प्रेरित करते हुए कहा, खेल में या तो जीत होती है, या सीख मिलती है, हार नहीं होती!

एआई सिटी के रूप में विकसित कर रही डबल इंजन की सरकार

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 4 लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (इक्र) सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिसमें 440 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं और करीब 600 करोड़ रुपये की विभिन्न राज्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को मेट्रो शहरों की तरह विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। सीएम योगी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिफेंस कॉरिडोर के तहत लखनऊ में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण परियोजना को आगे बढ़ाने से लेकर झांसी में बड़े प्रोजेक्ट्स को लाकर यूपी को डिफेंस निर्माण का केंद्र बनाने में रक्षा मंत्री का योगदान अमूल्य है।

लखनऊ के समग्र विकास पर चर्चा करते हुए सीएम योगी ने बताया कि स्टेट कैपिटल रीजन की तर्ज पर लखनऊ को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है। ग्रीन कॉरिडोर, किसान पथ, इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर और इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएं लखनऊ को विश्व स्तरीय शहर बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा, यमुना एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ते हुए लखनऊ को ट्रांसपोर्ट हब बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ के ऐतिहासिक आयोजन को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ 2025 में अब तक 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं, जो उत्तर प्रदेश की शक्ति और व्यवस्थागत कुशलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज महाकुम्भ में लोगों की सैंकड़ों वर्षों से दबी हुई भावनाओं को सम्मान मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ में असाधारण भीड़ को संभालने के लिए सड़क मार्ग, रेलवे और वायु मार्ग से बेहतरीन कनेक्टिविटी दी गई है। 40 रेगुलर फ्लाइट्स प्रयागराज को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ रही हैं, वहीं रेलवे द्वारा सैकड़ों मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया है। सड़क मार्ग से सबसे अधिक श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं और इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा स्वीकृत विभिन्न सड़क परियोजनाओं ने अहम भूमिका निभाई है।

संक्षिप्त खबरें

पुलवामा के शहीदों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी: राय

लखनऊ। पुलवामा हमले में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की आज छठी वर्षी के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय जी ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर अजय राय जी ने कहा कि पुलवामा में हमारे जवानों की शहादत देश के लिए एक बड़ा अघात साबित हुई थी। श्री राय ने कहा कि इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी पुलवामा के कई शहीदों के मामले में आर.डी.एक्स. कहां से आया और कौन लाया मोदी सरकार इस बात का आज तक पता नहीं लगा पाई। राय ने आगे कहा कि हम उन शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और कांग्रेस की सरकार आने पर इस घटना की पूरी जांच कराई जायेगी। इस मौके पर मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ0 सी0पी0 राय, पूर्व विधायक श्री संजय कपूर, प्रदेश प्रवक्ता डॉ0 उमा शंकर पाण्डेय, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, संजय दीक्षित, संजय सिंह, बृजेन्द्र सिंह, दयानंद तिवारी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, आलोक सिंह रैकवार, सोम विकल, के0डी0 शुक्ला, राम बरन गौतम, अब्दुला शेरखान, अजीत मौर्या, मनोज तिवारी, आदि ने भी पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

भारतीय गन्ना संस्थान ने सॉफ्टवेयर लॉन्च किया

लखनऊ। लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने अपने 74वें स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान ने भाकृअनुप-आईएआरआई, नई दिल्ली के साथ मिलकर इक्षु-केन नाम का एक अत्याधुनिक मॉडल विकसित किया है। यह मॉडल गन्ने की फसल की वृद्धि और उपज का सटीक पूर्वानुमान लगाने में सक्षम है। डॉ. सूरा नरेश कुमार के अनुसार, इक्षु-केन एक प्रक्रिया आधारित मॉडल है जो कई महत्वपूर्ण कारकों पर आधारित है। यह मिट्टी के गुण, जल उपलब्धता, नाइट्रोजन की मात्रा, प्रकाश संश्लेषण और चीनी संचय पैटर्न जैसे पहलुओं को ध्यान में रखता है। मॉडल दैनिक मौसम परिवर्तनों के प्रभाव को भी आंकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. आर विश्वनाथन ने बताया कि यह मॉडल देश के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाई जाने वाली सभी प्रकार की गन्ना फसलों के लिए उपयोगी साबित होगा। इससे न केवल शोधकर्ताओं को लाभ होगा, बल्कि किसानों और चीनी उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों को भी फायदा पहुंचेगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. टी. के. श्रीवास्तव ने मॉडल की आवश्यकता और इसके विकास की पृष्ठभूमि से सभी को अवगत कराया। यह मॉडल अब भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कार्यक्रम का समापन डॉ. संगीता श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आयुष मंत्री बोले-कार्यकर्ताओं की वजह से मिल्कीपुर में जीती भाजपा: राम की धरती पर वापस मिला गौरव

लखनऊ। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह में प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि मिल्कीपुर की जनता ने न केवल 24 महीने के लिए अपना जनप्रतिनिधि चुना है, बल्कि अपना खोया हुआ गौरव भी वापस पाया है। शुक्रवार को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के विद्या मंदिर महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री दयालु ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी एक देश के बराबर है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में झूठ और फरेब की आंधी से लड़ना कठिन था, लेकिन मोदी सरकार के विकास कार्यों ने जनता का विश्वास जीता। उन्होंने बताया कि सरकार ने बाबा साहब से जुड़े पंच तीर्थों से लेकर घरौनी वितरण तक अनेक विकास कार्य किए हैं, जिससे ढाई करोड़ लोग अपने घरों के मालिक बने। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि यह चुनाव देश और भाजपा के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि पार्टी ने एक निर्विवाद प्रत्याशी दिया और मुख्यमंत्री योगी ने अपने योग्य मंत्री को क्षेत्र में लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर गरीबों को सभी सुविधाएं दी हैं। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित विधायक चंद्रभानु पासवान भी उपस्थित रहे।

कुंभ में लोग सड़क पर रुके हैं तो भूखे नहीं रह रहे: कृषि मंत्री का अखिलेश को जवाब

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। झांसी के केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रयागराज की सड़कों पर लग रहे लंबे जाम का फायदा बताया है। कहा कि दुकानों से बिक्री हो रही है। लोग भूखे नहीं रह रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रयागराज में चल महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शानदार व्यवस्था बनाई है। इसकी तारीफ विदेशों से आ रहे श्रद्धालु भी कर रहे हैं। उन्होंने भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शुक्रवार से रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेला शुरू हुआ है। इसी में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने झांसी पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के उस बयान पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी कि जिसमें सपा प्रमुख ने कहा है कि प्रयागराज में जाम के चलते दुकानदारों का व्यापार ठप हो गया है। इसी पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि वहां (प्रयागराज) जिन सड़कों पर लोगों को होल्ड किया गया है, वहां दुकानदारों की बिक्री हो रही है। बोले ऐसा तो नहीं है कि जहां सड़कों पर लोग रुके हैं, वहां उन्हें खाने, मंजन, साबुन और नहाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। ऐसा तो नहीं है कि वह भूखे रह रहे हैं। उन्होंने महाकुंभ में हुई भगदड़ पड़ अफसोस व्यक्त करते हुए कहा कि मामले की न्यायिक जांच हो रही है।

केंद्रीय टीम ने परखी एमडीए अभियान की हकीकत, दिए निर्देश

खरी कसौटी ब्यूरो

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के राष्ट्रीय अधिकारी ने लखनऊ और बाराबंकी के कई गांव में किया निरीक्षण

निगरानी तंत्र को और मजबूत करने व इनकार करने वाले व्यक्तियों को सूचीबद्ध करने की दी हिदायत

लखनऊ। प्रदेश में चल रहे फाइलेरियारोधी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान की प्रगति जांचने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय टीम ने लखनऊ और बाराबंकी के कई गांव में भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान टीम को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की गतिविधियां संतोषजनक मिलीं। टीम ने निगरानी तंत्र को और मजबूत करने की हिदायत दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के राष्ट्रीय कार्यक्रम अधिकारी-फाइलेरिया डॉ कमलाकर अर्जुन लशकरे ने अपनी टीम के साथ सबसे पहले लखनऊ में गुसाईगंज ब्लाक के कासिमपुर और रहमतनगर गांव का भ्रमण किया। उन्होंने कासिमपुर के प्राथमिक स्कूल के बच्चों से बात की।

इस दौरान बच्चों ने फाइलेरिया से जुड़ी मूलभूत जानकारी दीं। डॉ कमलाकर ने दोनों गांव में ग्रामीणों से बात की तो पाया कि आशा उन्हें अपने सामने दवा खिला रही हैं। दवा का वितरण नहीं क्या जा रहा है। डब्ल्यूएचओ की टीम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी गई और चिकित्सा प्रभारी से मिली। राज्य कार्यक्रम अधिकारी-फाइलेरिया डॉ. ए.के. चौधरी ने बताया कि केंद्रीय टीम ने बाराबंकी के देवा व हरख ब्लाक में भी निरीक्षण किया।

विजिट संतोषजनक रही। उन्होंने बताया कि टीम ने पाया कि दवा का वितरण कहीं नहीं किया जा रहा है लेकिन इनकार करने वाले व्यक्तियों को सूचीबद्ध नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा लिम्फ़ेडिमा और हाइड्रोसिल के मरीजों का भी रिकार्ड नहीं बनाया जा रहा है जिसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए गए हैं। भ्रमण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी रितु श्रीवास्तव व पीसीआई, पाथ समेत अन्य पार्टनर संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीएम आवास योजना- ग्रामीण के सर्वे की गति बढ़ायें: मौर्य

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत जिन लाभार्थियों को पक्के आवास दिए गए हैं , उनमें से जिनके आवास तक आने -जाने हेतु मार्ग व जल निकासी की व्यवस्था न हो ,तो मनरेगा से सीसी रोड/ खड़ंजा मार्ग व जल निकासी हेतु प्रापर व सुगम व्यवस्था की जाय। उन्होंने कहा है कि आवास योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन, निःशुल्क गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, शौचालय, 90/95 दिन की मनरेगा से मजदूरी, आदि व्यवस्थाएं तो की ही गयी हैं, उनके आवास के सामने सहजन का पेड़ लगाने, उन्हें सोलर लाइट की सुविधा देने जैसी अन्य वाजिब सुविधाएं देने के लिए प्लान बनाया जाय।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत नये पक्के आवास देने हेतु लाभार्थियों के सर्वे का कार्य चल रहा है, इसका फीड बैक नियमित रूप से लिया जाए और निरन्तर समीक्षा की जाय, सर्वे की गति बढ़ाने के लिए हर सम्भव उपाय किये जाय, ताकि निर्धारित समय सीमा 31 मार्च 2025 तक ?सर्वे का कार्य अनिवार्य रूप से सम्पन्न हो जाय। उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग की सभी योजनाओं का बजट समय से व्यय करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के 10 जिले जहां मनरेगा के तहत सर्वाधिक काम हो रहे हैं/हुये हैं, वहां के 10 प्रतिशत कार्यों की जांच मुख्यालय से टीम भेजकर करायी जाय। बताया गया कि अमृत सरोवरों के निर्माण में उत्तर प्रदेश ,देश में टाप पर है,उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाय कि सभी अमृत सरोवर पानी से लबालब भरे रहें। उन्होंने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिलों की 75-75 ग्राम सभाओं , जहां स्वयं सहायता समूहों की संख्या अधिक है, वहां समूहों की सक्रियता का परीक्षण करा लिया जाए और जो समूह निष्क्रिय हो उन्हें पूरी तत्परता के साथ सक्रिय किया जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़कों के निर्माण व सर्वे कार्य समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी ने सभी मुख्य विकास अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के सर्वे कार्यों के बारे में व्यापक दिशा निर्देश दिए हैं।

बेसिक शिक्षामंत्री ने लखीमपुर के शिक्षक का किया सम्मान

लखनऊ। लखीमपुर में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (ड्डएक्टड्ड) द्वारा आयोजित पंचम राज्य स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता में लखीमपुर खीरी के एक शिक्षक ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कंपोजिट विद्यालय त्रिकोलिया, विकासखंड बिजुआ के शिक्षक शैलेंद्र दीक्षित को बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने मेडल और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। शैलेंद्र दीक्षित ने बिना किसी लागत के गणित विषय में एक ज्यामितीय वर्किंग मॉडल तैयार किया। उन्होंने निर्णायक मंडल के समक्ष अपने मॉडल का सफल प्रस्तुतीकरण किया, जिसे उत्कृष्ट पाया गया। प्रदेश के कुल 75 जनपदों में से शैलेंद्र का चयन सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभागियों में हुआ। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल लखीमपुर खीरी का नाम रोशन किया है, बल्कि अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

जयंत चौधरी ने कसूरी मेथी को जी. आई. टैग दिए जाने हेतु लिखा पत्र

खरी कसौटी ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार प्रभार, शिक्षा राज्य मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने राजस्थान के नागौर के किसानों एवं व्यापारियों की मांग के अनुरूप नागौर क्षेत्र की पान मेथी जिसे कसूरी मेथी भी कहा जाता है, को जी.आई. टैग दिए जाने के संबंध में वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर माँग की है। उन्होंने पत्र में उसके विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में उत्पादन तथा विशिष्ट गुणों के कारण उसे जी.आई.टैग दिया जाना सर्वथा उपयुक्त बताते हुए लिखा कि अपनी विशेष सुगंध व गुणवत्ता के कारण कसूरी मेथी की एक अलग पहचान है जिसे विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में उपयोग किया जाता है!

उपरोक्त जानकारी देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने बताया कि राजस्थान के नागौर जनपद के लगभग सौ गाँवों में रबी की फ़सल के रुप में इसका लगभग सात हज़ार हेक्टेयर भूमि पर उत्पादन किया जाता है और इसे देश - विदेश में निर्यात भी किया जाता है!इसके तमाम स्वास्थ्य सम्बंधी फ़ायदे भी है जहाँ एक ओर यह भोज्य पदार्थों को स्वादिष्ट और ख़ुशबूदार बनाती है वहीं दूसरी ओर यह औषधीय गुणों से भी परिपूर्ण है! मैं आशान्वित हूँ कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पत्र का एक सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा और कसूरी मेथी जिसे नागौरी मेथी भी कहा जाता है को जी.आई.टैग दिए जाने संबंधी लिखे गए पत्र पर सरकार सहानुभूति पूर्वक विचार करेगी।

जीवन में सब कुछ जोड़ने के लिए कुछ प्रयोग हैं। उनमें से एक प्रयोग कर्णप्रिय संगीत सुनने का भी है। आत्मा तक जाने के लिए एक साधन तो योग है ही, पर यदि कोई अच्छा-सा गीत-भजन सुनें- जिसका संगीत बड़ा शांत, सहज-सरल हो- तो भी आप जुड़ जाएंगे। क्योंकि उस गीत की ध्वनि और कम्पन ब्रह्मण्ड की ध्वनि से आपको जोड़ देगा। और यही हमारे भीतर के चक्रों पर एक ऊर्जा का कम्पन होता है, जो हमको आत्मा का स्पर्श कराता है।

सम्पादकीय

मोदी और ट्रंप की मुलाकात, बेहतर कल की उम्मीद

केसी विश्नोई (समूह सम्पादक)

व्हाइट हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस अवसर पर राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को अपनी फोटोबुक 'आवर जर्नी टुगेदर' की हस्ताक्षरित प्रति भेंट स्वरूप दी। इस पुस्तक में राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान महत्वपूर्ण आयोजनों और समारोहों की तस्वीरें शामिल हैं। इनमें 2019 में ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम और 2020 में अहमदाबाद में आयोजित 'नमस्ते ट्रंप' रैली की तस्वीरें भी सम्मिलित हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पुस्तक पर हस्ताक्षर करते हुए लिखा मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, यू आर ग्रेट (श्रीमान प्रधानमंत्री, आप महान हैं)। यह भेंट दोनों नेताओं के बीच की मित्रता और आपसी सम्मान को दर्शाती है। एक मौके पर ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को बेटर नेगोशिएटर कहा। भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। व्यापार, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग देखने को मिला है। 2019 में ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम और 2020 में अहमदाबाद में आयोजित 'नमस्ते ट्रंप' रैली ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। इन आयोजनों ने न केवल राजनीतिक बल्कि सांस्कृतिक और व्यावसायिक साझेदारी को भी मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की यह मुलाकात व्यापार, रक्षा और द्विपक्षीय साझेदारियों पर व्यापक चर्चा के लिए महत्वपूर्ण रही। इस भेंट के दौरान ख्इक्क और ख्त्रक्क की बात कही गई इसका मतलब है मेक अमेरिका ग्रेट अगेन,मेक इंडिया ग्रेट अगेन। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं की चर्चा की और अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिका भी भारत में अपने निवेश को बढ़ाने के लिए उत्सुक है, खासकर तकनीकी और रक्षा क्षेत्रों में। रक्षा के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की आपूर्ति कर रहा है और दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास भी कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सौदों और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और बढ़ाने का संकल्प लिया। चीन की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए यह क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका भारत को स्वच्छ ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंध भी भारत-अमेरिका संबंधों को नई दिशा देने में सहायक रहे हैं। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की, बांग्लादेश की बात आने पर ट्रंप ने इसे प्रधानमंत्री मोदी के जिम्मे सौंप दिया इसके अलावा आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक आर्थिक सुधार शामिल हैं।

उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ भू -राजनीतिक गठबंधन

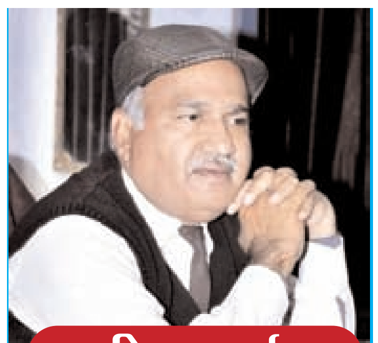

विजय गर्ग

संचार के लिए इस नए भू -राजनीतिक युग में प्रभावी होने के लिए, दो माध्यमों को एक -दूसरे को पूरक करना चाहिए, एक समग्र कथा का निर्माण करना चाहिए जो तत्काल और स्थायी दोनों है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय ने वैश्विक संचार में जटिलता की एक और परत को जोड़ा है। एआई-चालित एनालिटिक्स दर्शकों के व्यवहार, वरीयताओं और भावनाओं में अभूतपूर्व अंतर्दृष्टि को सक्षम करते हैं, इसके लिए अनुमति देते हैंहाइपर-पर्सनलाइज्ड मैसेजिंग। ये उपकरण राजनयिकों और विदेश नीति विशेषज्ञों के लिए अमूल्य हैं, जो अब अपार सटीकता के साथ संदेशों को शिल्प कर सकते हैं और अधिक सटीकता के साथ उनके प्रभाव की भविष्यवाणी कर सकते हैं। हालांकि, इन प्रगति के साथ नैतिक दुविधाएं आती हैं। रणनीतिक संचार और हेरफ़ेर के बीच की रेखा आसानी से धुंधला हो सकती है, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत ढांचे की आवश्यकता होती है। जैसे -जैसे संचार परिदृश्य अधिक जटिल हो जाता है, कुशल विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। ये पेशेवर केवल सूचना के लिए चैनल नहीं हैं, वे रणनीतिकार, विश्लेषक और रचनाकार हैं जो विविध और तेजी से बदलती दुनिया में संदेश की बारीकियों को समझते हैं।

उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक जहां दृश्यमान परिवर्तनों को जनवरी 2025 के बाद देखा जाएगा, यह संचार परिदृश्य भूवैज्ञानिक रूप से है। यह युग वैश्विक संचार के बहुत स्पीडवे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैनात है, एक महत्वपूर्ण प्रश्न के साथः क्या हम संचार वितरण, सामग्री अभिविन्यास, आउटरीच तंत्र और उपकरणों में 360-डिग्री परिवर्तन के कगार पर हैं? भूवैधानिक रूप से, संचार पारिस्थितिकी तंत्र एक नई भाषा को गले लगाएगा-जो कि केंद्रित संदेश, परिणाम-चालित वितरण, और यथार्थवादी पैटर्न और वैश्विक प्रभावों की पहचान करने के लिए औसत दर्जे के परिणामों की प्राथमिकता है।

जैसा कि दुनिया भू -राजनीतिक बदलाव के इस नए अध्याय में कदम रखती है, संचार रणनीतियाँ अधिक परिष्कृत, गतिशील और बहुआयामी होती जा रही हैं। घंटे की आवश्यकता यह है कि नए गठजोड़ को स्थानांतरित करने वाले राजनीतिक परिदृश्य और प्रमुख भू -राजनीतिक विकास में शामिल किया जाए। विकसित होने वाली राजनीतिक जलवायु पारंपरिक प्रतिमानों को चुनौती दे रही है, संचार विशेषज्ञों, राजनयिकों और नीति निर्माताओं को यह पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करती है कि संदेश कैसे तैयार किए जाते हैं, वितरित किए जाते हैं, और एक वैश्विक मंच पर प्राप्त किए जाते हैं। ईआरए एक संचार ढांचे की मांग करता है जो न केवल सीमाओं को स्थानांतरित करता है, बल्कि पुल भी सटीक, रचनात्मकता और प्रामाणिकता के साथ विभाजित करता है। 2025 में, ''एक चित्र एक हजार शब्दों के लायक है'' वाक्यांश अधिक अनुनाद पर ले जाता है। संदेश देने के लिए दृश्य संचार सबसे प्रभावशाली तरीका बन गया है। एक एकल, अच्छी तरह से तैयार की गई छवि में भावनाओं, विचारों और आख्यानों को व्यक्त करने की शक्ति होती है जो शब्दों को एनकैप्सुलेट करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। इस पर निर्माण, उदाहरण के लिए, शॉर्ट-फॉर्म वीडियो और 30-सेकंड रीलों का विस्फोट, परिदृश्य को और बदल दिया गया है। उनकी संक्षिप्तता और भावनात्मक गहराई उन्हें जनता की राय को आकार देने, समर्थन जुटाने और यहां तक कि तनाव को कम करने में अद्वितीय प्रभाव के उपकरण बनाती है। यह विकास भू -राजनीतिक क्षेत्र में संचारकों पर अपार जिम्मेदारी रखता है। कूटनीति, एक बार मुख्य रूप से बंद दरवाजों के पीछे आयोजित की जाती है, डिजिटल प्लेटफार्मों द्वारा प्रवर्धित क्यूरेटेड विजुअल, प्रतीकात्मक इशारों और रणनीतिक संदेश के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में तेजी से खेल रही है।

विदेश नीति के लिए, चुनौती यह है कि संवेदनशीलता बनाए रखते हुए ट्रस्ट का निर्माण करने के लिए इन उपकरणों का उपयोग करते हुए, पारदर्शिता और रणनीति को संतुलित करना है। जैसा कि सोशल मीडिया ने अपनी तेजी से वृद्धि जारी रखी है, कई लोग पूछते हैं कि क्या पारंपरिक मीडिया अभी भी इस डिजिटल बाजीगरी के सामने अपनी जमीन पकड़ सकता है।

सोशल मीडिया ने व्यक्तियों, सरकारों और संगठनों को अपने दर्शकों के लिए एक सीधा चैनल देते हुए, वैश्विक रूप से वैश्विक और लोकतांत्रिक संचार किया है। यह, सगाई और वायरल जाने की शक्ति पर पनपता है, जिससे यह भू -राजनीतिक संचार में एक आवश्यक उपकरण बन जाता है। हालांकि, पारंपरिक मीडिया अप्रचलित से दूर है। सूचना अधिभार के युग में, एक विश्वसनीय द्वारपाल के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जबकि सोशल मीडिया इस समय का दूत है, पारंपरिक मीडिया गहराई, विश्लेषण और संदर्भ प्रदान करता है-ऐसे तत्व जो सूचित निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

संचार के लिए इस नए भू -राजनीतिक युग में प्रभावी होने के लिए, दो माध्यमों को एक -दूसरे को पूरक करना चाहिए, एक समग्र कथा का निर्माण करना चाहिए जो तत्काल और स्थायी दोनों है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उदय ने वैश्विक संचार में जटिलता की एक और परत को जोड़ा है। एआई-चालित एनालिटिक्स दर्शकों के व्यवहार, वरीयताओं और भावनाओं में अभूतपूर्व अंतर्दृष्टि को सक्षम करते हैं, इसके लिए अनुमति देते हैंहाइपर-पर्सनलाइज्ड मैसेजिंग। ये उपकरण राजनयिकों और विदेश नीति विशेषज्ञों के लिए अमूल्य हैं, जो अब अपार सटीकता के साथ संदेशों को शिल्प कर सकते हैं और अधिक सटीकता के साथ उनके प्रभाव की भविष्यवाणी कर सकते हैं।

हालांकि, इन प्रगति के साथ नैतिक दुविधाएं आती हैं। रणनीतिक संचार और हेरफ़ेर के बीच की रेखा आसानी से धुंधला हो सकती है, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत ढांचे की आवश्यकता होती है। जैसे -जैसे संचार परिदृश्य अधिक जटिल हो जाता है, कुशल विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। ये पेशेवर केवल सूचना के लिए चैनल नहीं हैं, वे रणनीतिकार, विश्लेषक और रचनाकार हैं जो विविध और तेजी से बदलती दुनिया में संदेश की बारीकियों को समझते हैं। पारंपरिक मीडिया को डिजिटल नवाचारों और दर्शकों-केंद्रित दृष्टिकोणों को गले लगाने के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए विकसित होना चाहिए। इस बीच, सोशल मीडिया को गलत सूचना, ध्रुवीकरण और गूंज कक्षों के मुद्दों से जूझना चाहिए, एक मंच बनने का प्रयास करना चाहिए जो विभाजित होने के बजाय एकजुट हो। इस युग में, संचार अब केवल एक संदेश देने के बारे में नहीं है; यह धारणाओं को आकार देने, संबंधों के निर्माण और ड्राइविंग कार्रवाई के बारे में है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से परस्पर जुड़ती जाती है, प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता नव-सामूहिक रूप से राजनीतिक युग की जटिलताओं को नेविगेट करने में सबसे शक्तिशाली उपकरणों में से एक होगी।

गठबंधनों को स्थानांतरित करने और वैश्विक प्राथमिकताओं को विकसित करने से चिह्नित युग में, बहुपक्षीय संस्थानों को चुनौतियों और अवसरों दोनों का सामना करना पड़ता है। प्रमुख देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ढांचे के लिए प्रतिबद्धताओं के पुनः काम ने वैश्विक सहमति की नाजुकता को नोटिस किया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी साझा चुनौतियों को संबोधित करने में इन संस्थानों की भूमिका और प्रासंगिकता के बारे में सवाल उठाते हैं। यह स्थानांतरण परिदृश्य सामूहिक जिम्मेदारी पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ बहुपक्षीय स्थानों के भीतर कूटनीति के लिए अधिक बारीक दृष्टिकोण के लिए कहता है। इन संस्थानों के लिए एक जटिल भू -राजनीतिक जलवायु में पनपने के लिए, उन्हें पारदर्शिता को बढ़ावा देने, विविध हितधारकों को संलग्न करने और कार्रवाई को चलाने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए संचार प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना चाहिए। चाहे एक कैमरे के लेंस के माध्यम से, एक ट्वीट की पहुंच, या एक खोजी रिपोर्ट की गहराई, हम जो कहानियां बताते हैं और हम उन्हें कैसे बताते हैं, वह दुनिया को उन तरीकों से आकार देगा जो हम केवल समझने लगे हैं।

आयकर कानून के सरल होने विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है। नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा। मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन जटिल होती परिस्थितियों का परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद लगातार बढते गये। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। संभावनाएं हैं एवं सराहनीय भी है कि नये कानून के लागू होने से विवाद भी कम होंगे एवं जनता भी राहत की सांस लेगी। निश्चित ही यह कदम स्वागतयोग्य है। इस कानून को लाकर मोदी सरकार और विशेषतः वित्तमंत्री ने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया है। आयकर कानून-1961 की जटिलताओं के कारण विवादों का अंबार लगा रहा है। जबकि आयकर विभाग को इन विवादों से कोई फायदा भी नहीं होता है क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। अब नये कानूनों से पारदर्शिता आयेगी जिससे विभाग का काम भी आसान हो जाएगा।

जहाँ मजदूर अदृश्य है!

नन्दिता हक्सर
कॉलम

कई साल पहले, मैं साहित्य उत्सवों के विचार से रोमांचित होती थी और उनमें उत्साही भागीदार हुआ करती थी। मैं अरुंधति रॉय के इस बयान से सहमत नहीं थी कि ये केवल अभिजात वर्गीय उत्सव होते हैं। ऐसे अन्य लेखकों से मिलना, जो खुद उत्पीड़न का मुकाबला कर रहे हों, अनेकानेक देशों और संस्कारों के कवियों को सुनना, और विचारों के आदान-प्रदान का ऐसा अवसर – मुझे तो यह ताज़ी हवा के झोंके-सा लगता था। जो लोग कहीं से भी उच्च मध्यम या बुर्जूवा वर्ग के नहीं हैं, उन्हें भी ऐसे लेखकों से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का मौक़ा भी तो ऐसे उत्सवों में ही मिलता है!

लेकिन जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल, अरुंधति रॉय की आलोचना की सच्चाई का सबूत बन गया है। यह एक ऐसा त्योहार है, जो अनेक लेखकों और कवियों को तो आकर्षित करता है, लेकिन इस त्योहार के पाँच दिन अभिजात वर्ग के हित को भी अलग-अलग तरीके से साधते हैं। अन्यथा वेदांता और मारुति सुज़ुकी जैसे कॉर्पोरेट इस महोत्सव को प्रायोजित क्यों करते? जयपुर साहित्योत्सव की तुलना ठीक ही महाकुंभ से की गयी है। हमारे राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में से एक ने जयपुर साहित्योत्सव के बारे में बताया कि ल्ल्दुनिया भर से 300 से अधिक वक्ता इस महाकुंभ में, जो साहित्य, कला और संगीत३ का एक भव्य संगम होगा, देश और दुनिया के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शायद महाकुंभ का रूपक अच्छा है, क्योंकि सबसे बड़े धार्मिक उत्सव में हम तमाशा और आडंबर तो देखते हैं, लेकिन अपने समय के ज़रूरी मुद्दों पर बातचीत के लिए उसमें कोई जगह नहीं होती। वास्तविक दुनिया के सामने खड़ी चुनौतियों से दो-चार होने का इनमें कोई मौक़ा नहीं होता ; ऐसे मुद्दे, जिनसे कई लेखक वास्तव में जुड़े हो सकते हैं। जब किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की भी जाती है, तो चर्चा का प्रारूप ही प्रभाव को बहुत कम कर देता है। इसके विपरीत, केरल के कोझिकोड में उत्सव में, बुकर पुरस्कार विजेता उपन्यास 'प्रोफ़ेट सॉन्ग' के आयरिश लेखक पॉल लिंच ने बताया कि कैसे उनकी किताब इस विषय पर है कि किस तरह लोग जान कर भी मानने को तैयार नहीं होते कि 'चीज़ें कितनी ख़राब हालत में हैं, कि सब कुछ खत्म हो चुका होना अब एक तथ्य है।'

वेदांता द्वारा पर्यावरण पर पड़नेवाला विनाशकारी प्रभाव और मारुति सुज़ुकी संयंत्रों में मजदूरों के काम के हालात, उस अंधकारमय भविष्य की एक झलक है, जो ग्रामीण और शहरी भारत के मज़दूरों की अगली पीढ़ी का इंतज़ार कर रही है। वेदांता प्रस्तुत करता है, मारुति सुज़ुकी के सहयोग से और विडा द्वारा संचालित, विश्व-स्तर पर किताबों और विचारों के भव्यतम जश्न के रूप में मान्यता प्राप्त जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल 2025, जो आज एक शांत गणेश वंदना के साथ शुरू हुआ३। उद्घाटन समारोह के बारे में पढ़कर मुझे याद आया कि 2012 में यूनियन की माँगों के चार्टर पर मारुति सुज़ुकी प्रबंधन की कैसी प्रतिक्रिया रही थी, जब मज़दूरों का गुस्सा फूट पड़ा था। जापानी प्रबंधन ने यह मानने से इंकार कर दिया था कि मज़दूरों के पास शिकायतों की कोई वजह है ; इसके बजाय उन्होंने विवाद को आपराधिक बना दिया था और पूरी ट्रेड यूनियन को हत्या के मामले में फँसा दिया गया था, जिसमें यूनियन के 13 नेताओं को अंततः आजीवन कारावास की सज़ा सुनायी गयी। 2,000 से अधिक श्रमिकों को बिना किसी विभागीय जाँच के काम से निकाल दिया गया। प्रबंधन ने मानेसर संयंत्र में वास्तु मुद्दों को सुलझाने के लिए बंगलुरु के एक प्रसिद्ध वैदिक ज्योतिषी को बुलाया। ज्योतिषी, दैवज्ञ के.एन. सोमयाजी को यह सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था कि 18 जुलाई 2012 जैसी हिंसा फिर कभी न हो। यदि प्रबंधन भारतीय वैदिक ज्योतिष की प्रभावकारिता में विश्वास करता था, तो उन्हें यह स्वीकार करना चाहिए था कि कर्मचारी ऐसी शक्तियों के असर में थे, जो उनके नियंत्रण से परे थी और उनके ख़िलाफ़ आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए जाने चाहिए थे। मारुति सुज़ुकी प्रबंधन भारतीय श्रम संहिताओं और श्रम क़ानूनों का लगातार उल्लंघन करता रहा है। वर्षों से वे स्थायी श्रमिकों को बाहर निकाल रहे हैं और केवल 18 से 26 वर्ष की आयु के श्रमिकों को रोज़गार दे रहे हैं ऽ और वह भी केवल अस्थायी आधार पर।

बेरोज़गारी की चिंताओं और अनिश्चितताओं में भारत सरकार का स्किल इंडिया या कौशल भारत कार्यक्रम भी शामिल है, जिसने लगभग 30 करोड़ नौकरियाँ पैदा करने का वादा किया था। मारुति सुज़ुकी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षित किये जाने वाले मजदूरों को दो साल के लिए लिया जाता है, लेकिन कुछ ही समय में उन्हें बिना कोई कौशल सिखाये असेंबली लाइन पर खड़ा कर दिया जाता है। उनसे स्थायी कर्मचारी की तरह ही काम कराया जाता है, लेकिन ऐसे वेतन पर, जो बमुश्किल न्यूनतम वैधानिक वेतन होता है। मारुति सुज़ुकी के किसी भी प्लांट में काम कर चुके गैर-स्थायी कर्मचारियों ने हाल ही में 5 जनवरी, 2025 को एक यूनियन बनायी है। उन्होंने अपना माँग-पत्र श्रमायुक्त को दिया है। इन 5,000 पूर्व अस्थायी कर्मचारियों में से अधिकांश के लिए यूनियन ही एकमात्र आशा है। लेकिन उन्हें पुलिस लगातार परेशान कर रही है, दो अलग-अलग दिन उन्हें पूरा-पूरा दिन हिरासत में रखा गया और रात में रिहा किया गया। जहाँ मारुति सुज़ुकी कंपनी सबसे बड़े साहित्यिक महाकुंभ को प्रायोजित कर रही है, कर्मचारियों और पूर्व-कर्मचारियों को एहसास हो रहा है कि उनका कोई भविष्य नहीं है। सरकार ने नयी श्रम संहिता लागू करने के अपने फ़ैसले की घोषणा की है, जिसमें निश्चित अवधि के रोज़गार को वैधता मिली है। प्रबंधन ने श्रमायुक्त से कहा है कि नयी यूनियन को वह मान्यता नहीं देता।

सपा के लिए खतरे की घंटी

अजय कुमार

दिल्ली विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की और अयोध्या के मिल्कीपुर विधान सभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की हार के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत का भी मिजाज बदलता जा रहा है। इस बदलते मिजाज से भारतीय जनता पार्टी की बल्ले-बल्ले नजर आ रही है,वहीं समाजवादी पार्टी के सामने फिर से यक्ष प्रश्न खड़ा हो गया है कि वह पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक(पीडीए) पर और कितना भरोसा करे।सपा प्रमुख को मिल्कीपुर की हार से तो झटका लगा ही है,लेकिन अखिलेश के लिये उससे भी ज्यादा सदमें वाली बात यह है कि मिल्कीपुर में पीडीए ही नहीं यादव बिरादरी वालों ने भी समाजवादी पार्टी से मुंह मोड़ लिया।यहां करीब 65 हजार यादव वोटर हैं। यादव वोटर से सपा से मुंह मोड़ने की वजह अखिलेश से अधिक अवधेश प्रसाद को बताया जाता हैं। मिल्कीपुर विधान सभा सीट कभी मित्रसेन यादव के वर्चस्व वाली सीट हुआ करती थी,लेकिन 2012 में इसे एससी सीट घोषित कर दिया गया था। तब से यहां का सियासी समीकरण बदल गया। यादव की जगह दलित नेता उभरने लगे। अवधेश प्रसाद भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। वह पासी समाज से आते हैं। इतना ही नहीं अवधेश प्रसाद ने मिल्कीपुर के यादव वोटरों को कभी तवज्जो नहीं दी। सपा के बड़े नेता मित्रसेन यादव और उनके पुत्र से भी अवधेश के रिश्ते बिगड़े हुए रहे मिल्कीपुर की जीत बीजेपी के लिये आसान नहीं लग रही थी,लेकिन बीजेपी ने अपने राजनैतिक कौशल के जरिये आसान बना दिया। एक तो बीजेपी ने अवधेश के सामने उन्हीं की बिरादरी का नेता चन्द्रभानु पासवान को मैदान में उतार दिया। दूसरे बीजेपी जनता को यह मैसेज देने में भी सफल रही कि समाजवादी पार्टी पारिवारिक पार्टी है। इसलिये उसे सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे के अलावा कोई प्रत्याशी ही नहीं मिला,जबकि यहां समाजवादी पार्टी के कई कद्दावर नेता मौजूद थे।टिकट चाहने वालों की लिस्ट में कुछ यादव नेता भी शामिल थे,जिनको भी अखिलेश के फैसले से झटका लगा। इसके चलते यादव वोटर समाजवादी पार्टी को सबक सिखाने को आतुर हो गये। इसी लिये बीजेपी को शानदार जीत से कोई रोक नहीं पाया।नतीजे आने के बाद जनता के बीच मैसेज गया कि सपा का पीडीए वोट बैंक तार-तार हो गया है। इस बात का अहसास अयोध्या में दो दलित बच्चियों के साथ हुए अपराध में समाजवादी पार्टी का अलग-अलग नजरिया देखने से साफ भी हो गया। पहली घटना में आरोपी मुस्लिम समाज से जुड़ा सपा नेता था तो पूरी पार्टी और अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद आरोपी को बचाते दिखे वहीं,वहीं दूसरी घटना में जब सपा को ऐसा कुछ नजर नहीं आया तो वह पीड़ित बच्ची के लिये सार्वजनिक मंच से घड़ियाली आंसू गिराने लगे,लेकिन सपा और उनके नेताओं का कोई भी पैंतरा काम नहीं आया। मिल्कीपुर का दर्द समाजवादी पार्टी प्रमुख भूल नहीं पा रहे थे तो दूसरी तरफ महाकुंभ में प्रतिदिन जुट रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ अखिलेश की बेचैनी बढ़ा रही थी। महाकुंभ में जातिवाद की दीवारें तोड़कर एकजुट श्रद्धालु सनातन का गौरव बढ़ा रहे थे तो वहीं अखिलेश यादव महाकुंभ को बदनाम करने और लोगों को डराने में लगे थे। अखिलेश को लगता है कि योगी का हिन्दुत्व सपा के पीडीए पर भारी पड़ रहा है। इसी लिये अखिलेश महाकुंभ की व्यवस्था को अव्यस्था का जामा पहनाने में लगे हैं, ताकि लोग महाकुंभ आने से डरे। उसी समय मौनी अमावस्या पर भगदड़ में कुछ लोगों की मौत पर अखिलेश का सियासी प्रलाप और तेज हो गया। वह झूठ और प्रपंच के सहारे अपनी सियासत चमकाने के लिये बार-बार योगी सरकार पर आरोप लगा रहे थे कि सरकार मौत का आकड़ा छिपा रही है। ऐसे में लोग अखिलेश से सवाल करने लगे कि वह पहले 1990 में अयोध्या में कारसेवकों की मौत का आकड़ा बतायें।

मानसिक तनाव की मुक्ति के लिए आसान एवं अद्भुत उपाय

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

नींद न आना रीलेशनशिप का बार बार टूटना जन्म पत्रिका में चन्द्रमा की स्थिति का ठीक न होना 1-अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति सही नहीं है तो इसका सीधा प्रभाव मानसिक स्थिति पर पड़ता है। कुंडली में चंद्रमा की कमजोर स्थिति मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। साथ ही गृह क्लेश, ऑफिस और घर में परेशानियों का लगातार बढ़ना, माता-पिता के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ना आदि कई समस्याएं मानसिक रूप परेशान कर देती हैं। ऐसे में अगर आपके भी मानसिक रूप से परेशान हैं या फिर ऐसी स्थितियों से गुजर रहे हैं तो आपको कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत करनी होगी, जिससे आपको मानसिक परेशानी से मुक्ति मिल सके। आइए जानते हैं ज्योतिष शास्त्र के इन उपायों के बारे में

मिलती है राहु के अशुभ प्रभाव से मुक्ति-सोने से पहले अपने हाथ-पैर धोकर ही बिस्तर में जाएं। गंदे और गीले पैरों से बिस्तर में बिल्लुक नहीं जाना चाहिए, ऐसा करने से राहु का अशुभ प्रभाव पड़ता है और उससे आपकी परेशानियों में भी वृद्धि होती है। इसलिए आप हाथ-पैर साफ करके और ईश्वर को स्मरण करके ही बिस्तर में जाना चाहिए। इस मंत्र के जप से मिलेगा फायदा-मानसिक रोगों से मुक्ति के लिए सबसे पहले आपको नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए और अपने कुंटुंब के ईष्ट देवों का ध्यान करना चाहिए। साथ ही हर रोज रूद्राक्ष की माला से सुबह-शाम 'ओम उमादेवीभ्यां नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती हैं।

मानसिक रोगों से मुक्ति के लिए चांदी के लोटा लें और उसमें जल, दूध, चावल, शक्कर और गंगाजल लेकर चंद्रमा को अर्घ्य दें। ये सभी चीजें चंद्रमा से संबंधित हैं। साथ ही पांच दीपक सुबह-शाम घर के मंदिर, आगंन और तुलसी के पौधे के सामने जलाएं। ऐसा करने से मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

भगवान शिव की पूजा करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है इसलिए जन्मदिन, त्रयोदशी, प्रदोष व्रत व महाशिवरात्रि पर शिवलिंग का रूद्राभिषेक अवश्य कराएं और दो घंटे मौन रहकर भगवान शिव का ध्यान रखें। साथ ही पूर्णिमा के दिन व्रत रखकर चंद्रमा का पूजन करें। ऐसा करने से मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है और चंद्रमा शुभ फल देता है।

हर रोज ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए और ईष्ट देवी-देवताओं का ध्यान के साथ भगवान शिव और विष्णुजी का किसी रूप में ध्यान करें। साथ ही सूर्योदय से ढाई घंटे के अंदर अर्थात दिन का पहला आहर करें यानी भोजन कर लें। इससे दिमाग को पूर्ण शक्ति मिलती है और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। अगर इस समय पर नाश्ता करेंगे तो दिमाग भी कमजोर होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत करने के लिए चावल की खीर बनाएं और उसको गरीब व जरूरतमंदों को दान कराएं। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सोमवार के दिन दूध न पीएं। साथ ही हर रोज आंवला और दो अखरोट जरूर खाएं। इसके बाद सोने से पहले नाक में बादाम के तेल की बूंदें डालें। ऐसा करने से मानसिक रोग दूर होता है और चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक के.सी. विश्नोई द्वारा के.सी. प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनीनगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर 9/5 डालीबाग कालोनी लखनऊ से प्रकाशित
सम्पादकः के.सी. विश्नोई Mob. 9415006460 RNI NO. UPHIN/2010/35142 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरों/पीआरबी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। (समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों और समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी)

संक्षिप्त खबरें

कुंभ और अयोध्या जाने वालों के लिए व्यवस्था: राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने बांटा खाना

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश की बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने श्रद्धालुओं की सेवा का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रयागराज कुंभ से लौट रहे और राम मंदिर दर्शन के लिए अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं के लिए सीताराम धाम जोगापुर में विशेष भंडारे का आयोजन किया। मंत्री शुक्ला ने कार्यक्रम में कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में 'सेवा ही संगठन' का मंत्र साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता इस तरह के रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जनसेवा में लगे हुए हैं। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रमुख पदाधिकारियों में जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ल वारसी, जिला महामंत्री राजेश सिंह और नगर अध्यक्ष आलोक गर्ग मौजूद रहे। इसके अलावा आशीष श्रीवास्तव, गोकुल श्रीवास्तव, दिनेश सिंह दिन्नू, राघवेंद्र शुक्ला, पंकज सिंह, संतोष सिंह और अश्विनी पांडे सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

यातायात व्यवस्था चाक-चौबंद: एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारी कर रहे निरीक्षण

प्रतापगढ़। महाकुंभ स्नान के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने आज 14 फरवरी को एडीएम और एएसपी (पश्चिम) के साथ जिले में यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर स्थित मलाका डायवर्जन और भूपियामऊ ओवरब्रिज पर तैनात पुलिसकर्मियों से मुलाकात कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रतापगढ़ पुलिस ने प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस और कुंभ मेला पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की कवायद शुरू कर दी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। प्रयागराज-अयोध्या मार्ग पर तैनात पुलिसकर्मी यातायात को सुचारु रूप से संचालित कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि जिले में कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा रही है। राजपत्रित अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विधायक सैय्यदा खातून ने कहा-संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होना जरूरी

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण जन चौपाल का आयोजन किया गया। पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) कार्यक्रम के तहत आयोजित इस चौपाल में विधायक सैय्यदा खातून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वर्तमान सरकार पर तीखी टिप्पणी करते हुए महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विधायक सैय्यदा खातून ने अपने संबोधन में कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी को इस मुहिम से जुड़ना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार संविधान में बदलाव करना चाहती है, जिसकी रक्षा के लिए सभी का एकजुट होना आवश्यक है। समाजवादी पार्टी की ओर से विधायक ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी हमेशा पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के हितों के लिए काम करती रही है। भविष्य में भी करती रहेगी। कार्यक्रम में सपा प्रदेश सचिव अफसर रिजवी, इरफान मिर्जा, धिसयावान यादव, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, शौरभ पाण्डेय, पिंटू पाण्डेय, महफूज, इस्हाक प्रधान, जैद प्रधान, बच्चाराम बौद्ध सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसएसबी ने साइबर सुरक्षा पर ग्रामीणों को दी जानकारी, नशा मुक्त भारत पर चर्चा

सिद्धार्थनगर। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी बजहा ने एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान का आयोजन किया। बजहा गाँव में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा और नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जागरूक करना था। सीमा चौकी बजहा के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मीणा ने साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए ग्रामीणों को महत्वपूर्ण सुरक्षा टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग, हैकिंग जैसी घटनाओं से बचने के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक डिटेल्स या सोशल मीडिया पासवर्ड साझा नहीं करना चाहिए। साथ ही, अनजान नंबरों से आने वाली वीडियो कॉल, मैसेज और लिंक से भी सावधान रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के दूसरे भाग में नशा मुक्त भारत अभियान पर चर्चा की गई। निरीक्षक मीणा ने बताया कि नशे की लत के कारण दुनियाभर में प्रतिदिन सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी में बढ़ता नशा समाज को खोखला कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से नशा मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग की अपील की।

आज पूर्वोत्तर रेलवे से 24 महाकुम्भ मेला विशेष गाड़ियाँ

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँः 15 फरवरी, 2025 को 05150 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 19.30 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05004 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 21.30 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05152 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 23.45 बजे चलाई जायेगी। झूसी से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँः 15 फरवरी, 2025 को 05003 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 07.45 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05149 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 11.15 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05110 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 12.45 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05151 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, झूसी से 15.15 बजे चलाई जायेगी। प्रयागराज रामबाग से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँः 15 फरवरी, 2025 को 05108 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 07.00 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05106 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 16.30 बजे चलाई जायेगी। बनारस से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँः 15 फरवरी, 2025 को 05109 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 08.00 बजे चलाई जायेगी। 2. 15 फरवरी, 2025 को 05105 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 12.30 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 09802 बनारस-सोगरिया मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 14.45 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 09414 बनारस-साबरमती मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 19.30 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05107 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, बनारस से 20.30 बजे चलाई जायेगी। छपरा से चलने वाली मेला विशेष गाड़ियाँः 15 फरवरी, 2025 को 05125 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, छपरा से 10.05 बजे चलाई जायेगी। 15 फरवरी, 2025 को 05129 छपरा-झूसी मेला विशेष गाड़ी, छपरा से 18.30 बजे चलाई जायेगी। इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 04111, 04112, 04113, 04114, 04120, 05101, 05102 एवं 05104 रिंग रेल चलाई जा रही हैं। इसी प्रकार, 14 फरवरी, 2025 को 16.00 बजे तक पूर्वोत्तर रेलवे से/होकर 19 मेला विशेष गाड़ियाँ, 17 नियमित ट्रेन एवं 04 रिंग रेल सहित कुल 40 ट्रेनें चलाई गईं। मेला विशेष गाड़ियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये रेलवे हेल्पलाइन नम्बर 139 पर डायल कर सकते हैं अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस.) वेब पोर्टल या मोबाइल एप पर प्राप्त कर सकते हैं।

सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस पुनर्निर्धारित करके चलेगी

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची एवं चक्रधरपुर मंडल के स्टेशनों पर नान इंटरलाक कार्य किये जाने के कारण 15027/15028 सम्बलपुर-गोरखपुर-सम्बलपुर एक्सप्रेस निम्न तिथियों में पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। पुनर्निर्धारण- 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस 18, 23, 24 एवं 25 फरवरी, 2025 को सम्बलपुर से 02 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी। 15028 गोरखपुर-सम्बलपुर एक्सप्रेस 21 फरवरी, 2025 को गोरखपुर से 01 घंटा पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

रेलवे सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सहायता को तत्पर

गोरखपुर। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा एवं अवैध सामानों की धर-पकड़, आरक्षित टिकटों के अवैध कारोबार की रोकथाम तथा महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की सहायता के साथ यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में मानवीय सेवा के अन्तर्गत 12 फरवरी, 2025 को महाकुम्भ में अमृत स्नान करने आये 36 श्रद्धालुओं को रैपिड एक्शन टीम एवं रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज रामबाग तथा झूसी द्वारा सहायता प्रदान किया गया जिसमें 05 श्रद्धालुओं को बीमार होने पर उनका उपचार कराया गया एवं चलने में असमर्थ 20 पुरूष तथा महिला श्रद्धालुओं को सहायता प्रदान कर प्लेटफार्म पर पहुंचाया गया और परिजन से बिछड़े हुए 11 श्रद्धालुओं को ढूंढ कर उनके परिजन से मिलाया गया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालु यात्रियों की सेवा का क्रम निरन्तर चल रहा है।

इतिहास में याद रखा जाएगा महाकुम्भ, योगी सरकार बधाई की पात्र : फडणवीस

खरी कसौटी ब्यूरो

महाकुम्भ में पुण्य स्नान करने परिवार संग प्रयागराज पहुंचे महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस

महाकुम्भ नगर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को अपने परिवार के साथ पावन तीर्थराज प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। महाकुम्भ के दिव्य एवं भव्य आयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। फडणवीस ने कहा कि इस महान आयोजन को दुनिया के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने योगी सरकार को सफल व्यवस्थाओं के लिए बधाई दी और श्रद्धालुओं की सुख-सुविधाओं के लिए किए गए इंतजामों की प्रशंसा की। देवेन्द्र फडणवीस ने अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया। वहीं मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण में अपने परिवार के साथ यहां आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 144 वर्षों बाद यह अवसर आया है और मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि इस पुण्य पर्व का हिस्सा बन सका। जिस तरह से योगी सरकार ने इस महाआयोजन की व्यवस्थाएं की हैं, उसकी पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। फडणवीस ने कहा कि श्रद्धालुओं ने जिस प्रकार यहां डुबकी लगाकर गंगा मइया की आराधना की है, वह देखकर दुनिया अचंभित है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग यहां कैसे आए और उनकी व्यवस्था कैसे संभाली गई। यही हमारी संस्कृति की महानता है कि लोग इसमें सहज रूप से खिंचे चले आते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था का जीता-जागता प्रमाण है। हर सनातनी की यह आकांक्षा होती है कि वह गंगा दर्शन कर संगम में स्नान करे। मैं भी इसी भाव से यहां आया हूँ। इस आयोजन को पूरी दुनिया याद रखेगी। बता दें कि महाकुम्भ 2025 के इस ऐतिहासिक आयोजन को देखने और इसमें शामिल होने के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

कोर्ट ने जानलेवा हमले के आरोपियों को दी जमानत

वाराणसी। जिला जज की कोर्ट में शुक्रवार को पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर प्राणघातक हमला करने के मामले में दो आरोपितों को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। जिला जज संजीव पाण्डेय की अदालत ने बबुरी, चंदौली निवासी आरोपित रामजनम यादव व सुनील यादव को गिरफ्तार किए जाने से पहले जमानत दे दी। जज ने आरोपियों को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतदार और बंधपत्र देने पर अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव, रवि तिवारी व सौरभ गुप्ता ने पक्ष रखा। अभियोजन ने बताया कि पीड़ित पक्ष में कबीर नगर, दुर्गाकुंड निवासी वादी अनिल कुमार गुप्ता ने भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि 23 जनवरी 2025 को रात्रि लगभग 9 बजे के करीब उसका पुत्र कृष्ण कुमार गुप्ता अपने घर जा रहा था।

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश की महाकुंभ पर बयानबाजी जारी: बोले- 50 नहीं 60 करोड़ लोग आए हैं, जाम से लोग परेशान

वाराणसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। उनका एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने सनातन के गौरव महाकुंभ के आंकड़ों को लेकर फिर बयानबाजी करते हुए सरकार तंज कसा। उन्होंने कहा- 50 नहीं 60 करोड़ लोग आए हैं। सपा प्रमुख ने कहा- कुंभ में अगर इंफ्रास्ट्रक्चर सही रहता तो लोगों को असुविधा नहीं होती। लोग जाम से परेशान हैं। सरकार कुंभ में जिन लोगों की जान गई है उनकी भी सूची नहीं दे पा रही है। अखिलेश यादव ने पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा- अमेरिका से व्यापार ऐसा लाएं जिससे हमारे लोगों की खुशहाली हो। पिछली बार घ्ख् मोदी हीरा लेकर गए थे। इस बार कम से कम सोने की चेन ले जाते। बीजेपी सरकार में दलाल पैसे लेकर बाहर भेज रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा- भारत सरकार का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश हुआ है। सरकार का दावा है कि अर्थव्यवस्था को 5 से 3 नंबर पर पहुंचाएंगे। लेकिन बजट आने के बाद मायूसी छा गई है। उन्होंने कहा- नौकरी के नाम पर सरकार रोजगार नहीं दे पा रही है। वक्फ बिल लाकर लोगों के अंदर बहस छेड़ने का तरीका अपना रही है। उन्होंने महाकुंभ में सीएम योगी के कपड़े पहनकर स्नान करने पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री जी से सीखना चाहिए कि आने वाले समय में कपड़े पहनकर स्नान करना चाहिए।

महाकुंभ भगदड़ में हजारों मौत की अफवाह फैलाने पर एफआईआर: पुलिस युवक के तलाश में जुटी

वाराणसी। महाकुंभ को लेकर सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अरुण प्रताप नामक व्यक्ति द्वारा कुंभ में 1200 लोगों की मौतें तथा 2000 लोगों की घायल होने जैसी दावे के साथ इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर देशवासियों में दहशत फैलाया गया तथा कुंभ को लेकर अनवरत दुष्प्रचार किया गया। इतना ही नहीं माननीय मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने जैसी कई पोस्ट से दुष्प्रचार किया गया है। यह आरोप लगाते हुए पोस्ट करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध राष्ट्रीय हिंदू दल संगठन द्वारा वाराणसी एडीजी को प्रार्थना पत्र देकर देशद्रोह / रासुका जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग किया गया था। इसके बाबत आज लंका थाना में अरुण प्रताप के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। रोशन पाण्डेय ने कहा इस व्यक्ति को गिरफ्तार होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा हमें आशा है लंका थाना द्वारा जल्द ही इसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। ऐसे लोग के कारण ही हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि धूमिल की जाती रही है। लंका एसएचओ ने शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि हिंदू संगठन के प्रार्थना पत्र पर मामले को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जिस व्यक्ति द्वारा पोस्ट किया गया है उसकी तलाश की जा रही है।

महाकुंभ में 16 फरवरी को डुबकी लगाएंगे राहुल-प्रियंका: कांग्रेस ने शुरू की तैयारी

प्रयागराज। महाकुंभ में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 16 फरवरी को डुबकी लगाएंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, उनके आने का प्रोग्राम लगभग फाइनल हो चुका है। राहुल और प्रियंका संगम में स्नान कर पूजा-अर्चना करेंगे। कांग्रेसियों ने बड़े पैमाने पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस सेवा दल की ओर से महाकुंभ सेवा शिविर संगम तट के सेक्टर-15 में तुलसी मार्ग पर लगाया गया है। राहुल और प्रियंका इस शिविर में कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। साथ ही सेवा दल द्वारा महाकुंभ में किए जा रहे सामाजिक, धार्मिक कामों की जानकारी लेंगे। कांग्रेसी नेता बताते हैं कि 5 से 10 फरवरी के बीच वह संगम स्नान के लिए आ सकते हैं। माना जा रहा है कि राहुल और प्रियंका के साथ ही करीब 1000 कांग्रेसी स्नान करेंगे। प्रियंका गांधी 11 फरवरी 2021 को प्रयागराज आई थीं तो उन्होंने संगम में स्नान लगाई थी। प्रियंका ने बोट से प्रयागराज से वाराणसी तक की यात्रा की थी। तब वह संगम तट पहुंची थीं। संगम में डुबकी लगाने के बाद पूजा-पाठ किया था। वे पुरखों की कर्मस्थली प्रयागराज के आनंद भवन भी गई थीं। कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रमोद पांडेय का कहना है कि प्रियंका गांधी संगम स्नान की हमेशा ख्वाहिशमंद रही हैं। 2019 के अर्धकुंभ में उन्होंने संगम स्नान किया था। वर्ष 2000 में सोनिया गांधी ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई थी। गांधी परिवार हमेशा से महाकुंभ स्नान, ध्यान और पूजापाठ करता रहा है। डॉ. प्रमोद पांडेय का कहना है कि शिविर तैयार है। लगातार श्रद्धालुओं की मदद की जा रही है। सभी की ख्वाहिश है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी संगम आकर स्नान करें और कांग्रेस सेवा शिविर में शामिल हों।

परमार्थ निकेतन ने चलाया महास्वच्छता अभियान

प्रयागराज। वैलेंटाइन डे के अवसर पर जब प्रेम और स्नेह की भावनाओं का आदान-प्रदान होता है। तब परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, साध्वी भगवती सरस्वती ने दुनिया भर के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालुओं को एक विशेष संदेश दिया है 'धरती ही हमारी वैलेंटाइन है।' इस अवसर पर उन्होंने संगम के आस-पास और अरैल घाट पर एक महा स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य पृथ्वी, जल, वायु और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता फैलाना है। यह संदेश देना था कि अगर हम धरती से प्यार करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का उद्धार संभव होगा। स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती ने संदेश दिया कि हम सभी को धरती के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने कहा- हमारी धरती हमारी वैलेंटाइन है। वह हमें जीवन देती है, अब हमारी बारी है कि हम अपनी धरा को प्रेम और संरक्षण प्रदान करें। अगर हम धरती को संरक्षण देंगे, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और हरित बनेगी। हमारे पूज्य संतों और ऋषियों ने हमेशा धरती के प्रति प्रेम और सम्मान का संदेश दिया। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक हम अपनी धरती का ख्याल नहीं रखेंगे, तब तक हम अपने भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते। हर एक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, चाहे वह कचरा प्रबंधन हो या जल संरक्षण हो या वृक्षारोपण हो, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा- हम जो प्लास्टिक कचरा अपनी धरती पर डालते हैं, वह भविष्य के लिए घातक है। यही समय है जब हम अपने पर्यावरण को बचाने के लिए कदम उठाएं। हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें, तो हम दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं।

मालदा टाउन से झूसी के मध्य 03 जोड़ी कुम्भ मेला विशेष गाड़ियों का संचलन

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ मेला में आने-जाने वाले श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु मालदा टाउन से झूसी के मध्य 03 जोड़ी कुम्भ मेला विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नलिखित तिथियों में किया जायेगा। 03417 मालदा टाउन-झूसी कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 16 एवं 23 फरवरी,2025 को मालदा टाउन से तथा 03418 झूसी-मालदा टाउन कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 17 एवं 24 फरवरी,2025 को झूसी से चलाई जायेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 04, साधारण द्वितीय श्रेणी के 07 तथा जी.एस.एल.आर.डी. के 02 कोच सहित कुल 14 कोच लगाये जायेंगे। 03429 मालदा टाउन-झूसी कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 17 एवं 24 फरवरी,2025 को मालदा टाउन से तथा 03430 झूसी-मालदा टाउन कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 18 एवं 25 फरवरी,2025 को झूसी से चलाई जायेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 11, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06 तथा जी.एस.एल.आर.डी. के 02 कोच सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे। 03411 मालदा टाउन-झूसी कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 18 फरवरी,2025 को मालदा टाउन से तथा 03412 झूसी-मालदा टाउन कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 19 फरवरी,2025 को झूसी से चलाई जायेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 09, साधारण द्वितीय श्रेणी के 03 तथा जी.एस.एल.आर.डी. के 02 कोच सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे। 03417, 03429 तथा 03411 मालदा टाउन-झूसी कुम्भ मेला विशेष गाड़ियाँ मालदा टाउन से 20.45 बजे प्रस्थान कर न्यू फरक्का से 21.17 बजे, बड़हरवा से 21.47 बजे, साहिबगंज से 22.36 बजे, कहलगांव से 23.15 बजे, दूसरे दिन भागलपुर से 00.12 बजे, सुलतानगंज से 00.36 बजे, जमालपुर से 01.17 बजे, अभयपुर से 01.50 बजे, किऊल से 03.45 बजे, मोकामा से 05.32 बजे, बाढ़ से 06.07 बजे, बख्तियारपुर से 06.32 बजे, राजेन्द्रनगर से 07.37 बजे, पटना से 08.00 बजे, दानापुर से 08.32 बजे, आरा से 09.20 बजे, बक्सर से 10.22 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं0 से 12.30 बजे, वाराणसी से 13.50 बजे तथा बनारस से 14.10 बजे छूटकर झूसी 17.15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 03418, 03430 तथा 03412 झूसी मालदा टाउन कुम्भ मेला विशेष गाड़ियाँ झूसी से 19.15 बजे प्रस्थान कर बनारस से 21.45 बजे, वाराणसी से 22.10 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं0 से 23.25 बजे, दूसरे दिन बक्सर से 00.27 बजे, आरा से 01.22 बजे, दानापुर से 02.02 बजे, पटना से 02.30 बजे, राजेन्द्र नगर से 02.42 बजे, बख्तियारपुर से 03.22 बजे, बाढ़ से 03.40 बजे, मोकामा से 04.02 बजे, किऊल से 06.05 बजे, अभयपुर से 06.28 बजे, जमालपुर से 07.20 बजे, सुल्तानगंज से 08.25 बजे, भागलपुर से 09.35 बजे, कहलगांव से 10.05 बजे, साहिबगंज से 11.14 बजे, बड़हरवा से 12.42 बजे तथा न्यू फरक्का से 13.07 बजे छूटकर मालदा टाउन 14.30 बजे पहुंचेगी।

आजमगढ़ में पुलिस भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी करने वाला किया गया गिरफ्तार

आजमगढ। जिले की कोतवाली पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस भारती और प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आरक्षी भर्ती की प्रक्रिया के दौरान फर्जी दस्तावेज पेश करने वाली एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। भारतीय प्रक्रिया के दौरान 20वीं वाहिनी पीएसी में दौड़ परीक्षा के दौरान रजिस्ट्रेशन नंबर 11243222, रोल नंबर 2608663 अभ्यर्थी आशीष कुमार चौबे पुत्र कन्हैया चौबे जो की बांसडीह बलिया का रहने वाला है। आरोपी का जब बायोमेट्रिक लिया जा रहा था इस दौरान बायोमेट्रिक फॉर्म में अपनी जन्मतिथि 8 सितंबर 1995 पाया गया। जबकि दस्तावेज और मार्कशीट में जन्मतिथि 8 सितंबर 1998 पाया गया। इस सूचना पर कोतवाली प्रभारी शशिमौली पांडे मौके पर पहुंचे।

महाकुंभ पर अफवाह फैलाने वाले 54 अकाउंट पर एफआईआर

खरी कसौटी ब्यूरो

महाकुम्भ नगर। 'महाकुम्भ 2025' की जहां एक तरफ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तत्व भी कम नहीं है, जो सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें पोस्ट कर के सनातन धर्म के इस सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक समागम को बदनाम करने में लगे हुए हैं।

यूपी पुलिस ऐसे कुत्सित प्रयास करने वालों से सख्ती बरत रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस सोशल मीडिया पर 24 गुणा7 पैनी नजर रख रही है। इसी क्रम में पुलिस ने अबतक 54 ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है, जो फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए जनता में अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे। 13 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान दो वीडियो को पुलिस ने विशेष संज्ञान में लिया, जिन्हें महाकुम्भ से जोड़कर भ्रामक रूप से प्रस्तुत किया गया था। इनमें 'मिस्र के अग्निकांड को महाकुम्भ की आग' बताते हुए पोस्ट किया गया था। यह वीडियो मिस्र में वर्ष 2020 में हुई एक तेल पाइपलाइन दुर्घटना का था, जिसे यह कहकर प्रसारित किया गया कि ''महाकुम्भ बस स्टैंड में आग लगी, 40-50 गाड़ियां जलकर राख हो गईं।'' इस अफवाह को फैलाने वाले सात सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कोतवाली कुम्भ मेला में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। वहीं दूसरे वीडियो में पटना की घटना को महाकुम्भ से जोड़ा गया। यह वीडियो बिहार में एक फिल्म प्रमोशन इवेंट के दौरान हुई अव्यवस्था का था, जिसे महाकुम्भ से जोड़कर यह अफवाह फैलाई गई कि कुम्भ में राष्ट्रवादी लोगों ने आर्मी जवानों पर चप्पलें फेंकी। इस पोस्ट के लिए 15 सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है।

मिस्र की घटना को महाकुम्भ 2025 से जोड़ने वाले कई सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हुई कार्रवाई। बता दें कि विगत एक माह में महाकुम्भ मेले को बदनाम करने वाले विभिन्न प्रकार के भ्रामक पोस्ट और वीडियो वायरल किए गए, जिनमें से प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैंः 13 जनवरी 2025 : एक ट्विटर अकाउंट ने फायर सर्विस की मॉक ड्रिल का वीडियो पोस्ट कर इसे वास्तविक आग की घटना बताया। 02 फरवरी 2025 : नेपाल के पुराने वीडियो को महाकुम्भ की भगदड़ का वीडियो बताकर पोस्ट करने पर सात अकाउंट पर कार्रवाई। 07 फरवरी 2025 : संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ को भगदड़ के रूप में दिखाने वाले एक फ़ेसबुक अकाउंट पर एफआईआर। 09 फरवरी 2025 : झारखंड के धनबाद की घटना को महाकुम्भ से जोड़ने वाले 14 ट्विटर अकाउंट के विरुद्ध मुकदमा। 12 फरवरी 2025 : वर्ष 2021 में गाजीपुर में मिले शवों की तस्वीरों को महाकुम्भ से जोड़ने वाले सात अकाउंट पर कार्रवाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने साइबर पेट्रोलिंग की व्यापक रणनीति तैयार की है।

महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र बना है अरैल घाट पर स्थित जल कलश

खरी कसौटी ब्यूरो

जल कलश के माध्यम से हरित महाकुम्भ में सहयोग, 20 हजार से अधिक प्लास्टिक की बोतलें जुटाईं

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के आयोजन में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर कई अनूठे प्रयोग किए गए हैं। इसी कड़ी में जल कलश पहल महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसकी स्थापना अरैल घाट सेक्टर 24 निषाद राज मार्ग में की गई है।

जल कलश में कुम्भ क्षेत्र में प्रयोग की गई पानी की बोतलों को इकठ्ठा किया गया है और इन बोतलों को रिसाइकिल करके उपयोग में लाया जायेगा, जिससे प्रकृति में इन प्लास्टिक की बोतलों का दुष्प्रभाव न पड़ सके।अभियान के दौरान 20,000 से अधिक प्लास्टिक की बोतलें एकत्र की गई हैं।

नमामि गंगे मिशन के पूर्व महानिदेशक जी अशोक कुमार के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के सहयोग से जल कलश पहल को शुरू किया गया है। जल कलश पहल 1 फरवरी से 20 फरवरी, 2025 तक एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स द्वारा आयोजित 20-दिवसीय अभियान है। स्थानीय स्तर पर आदर्श सेवा समिति व मंगल भूमि फाउंडेशन इस पहल में सहयोग कर रही हैं। जी अशोक कुमार कहते हैं कि महाकुम्भ को हरित महाकुम्भ बनाने की दृष्टि से कुंभ क्षेत्र में उपयोग की गई प्लास्टिक की बोतलों को कलेक्ट करके हमने छोटा सा प्रयास हरित कुम्भ की ओर किया है। इस कुंभ क्षेत्र में जल कलश की स्थापना कर यह संदेश दिया गया है कि मां गंगा की अविरलता और निर्मलता में यह प्लास्टिक बाधा है। इन प्लास्टिक की बोतलों को एक कलश में रखकर यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि प्लास्टिक को गंगा और गंगा के क्षेत्र में नहीं जाने देना है, जिससे हमारी गंगा अविरल और निर्मल रहे। पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता रामबाबू तिवारी बताते हैं कि मां गंगा की अविरलता और निर्मलता के लिए समाज को अलग-अलग तरीके से प्रयास करने होंगे। जिस प्रकार से इस बार कुम्भ में एक थाली एक थैला अभियान के माध्यम से गंगा में प्रदूषण होने से बचाया गया, इस प्रकार से जल कलश के माध्यम से भी गंगा को प्रदूषण होने से रोका गया है। अलग-अलग प्रकार की संस्थाएं अलग-अलग तरीके से अपनी हरित कुम्भ की ओर अग्रसर हैं, उसमें डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स और एचसीएल फाउंडेशन द्वारा किया गया यह पहल बहुत ही सराहनीय है। जल कलश पहल में प्रमुख रूप से मीरा देवी, अरुण कुमार, राज, ऋषिका, यशी, सतीश समेत बहुत सारे स्वयं सेवक हिस्सा ले रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

मेधावी अमन वर्मा का जेईई मेंस में हुआ चयन

सुलतानपुर। विकास क्षेत्र कादीपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत नरोत्तमपुर निवासी अमन वर्मा का चयन जेईई मेंस में होने पर परिजनों ने खुशी व्यक्त की है ! अमन वर्मा शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है ! जिले के सुप्रसिद्ध एस कान्वेंट स्कूल से हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रथम श्रेणी में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है ! अमन वर्मा ने घर पर ही ऑनलाइन पढ़ाई करते हुए यह सफलता प्राप्त की है ! अमन वर्मा की माता एक गृहणी एवं पिता संजय वर्मा एक साधारण किसान है, जो घर पर रहकर खेती किसानी का कार्य करते हैं ! चाचा संदीप वर्मा(ग्राम प्रधान)व दिलीप वर्मा ने ग्राम पंचायत में मिठाइयां बांटकर लोगों के साथ जमकर खुशियां मनाई ! छत्रपति शिवाजी महाराज फाउंडेशन, भारतीय कुर्मी महासभा एवं कुर्मी विकास परिषद ट्रस्ट ने खुशी व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है।

जिलाधिकारी ने घोषित किया तीन स्थानीय अवकाश

अम्बेडकर नगर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉक्टर सदानंद गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने वर्ष 2025 के लिए जारी अवकाश तालिका में शबऽएऽबरात, छठ पूजा पर्व एवं श्रवण क्षेत्र मेला के अवसर पर तीन स्थानीय अवकाश घोषित किया है। ज्ञातव्य है कि विगत वर्षों में जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए तीन स्थानीय अवकाशों में गोविंद दशमी पर्व पर भी स्थानीय अवकाश होता था किंतु वर्ष 2025 में गोविंद दशमी दिनांक 30 नवंबर 2025 (रविवार) को पूर्व से ही अवकाश होने के कारण उसके स्थान पर श्रवण क्षेत्र मेला की तिथि पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। कतिपय यह प्रकाश में आया है कि कुछ समाचार पत्रों में बिना किसी तथ्यात्मक जानकारी और बिना किसी सक्षम अधिकारी से स्थानीय अवकाश के संबंध में जानकारी प्राप्त किए स्थानीय अवकाश के संबंध में भ्रामक खबरों का प्रकाशन किया गया है जो बेहद ही निराशाजनक है।

शबे बारात को लेकर मुस्लिम समुदाय ने की, शब-बेदारी

नानपारा बहराइच। तहसील नानपारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माधी सहित नानपारा से सटे मुस्लिम गांव गुरघुटटा , बंजरिया आमा पोखर , नूरीपुरवा, विश्वनाथ गावँ आदि गांवों में पूरी रात शब बेदारी का कार्यक्रम चला जगह-जगह महफिले मीलादे मुस्तफा रचाई गई इसी कड़ी में ग्राम माधी में एक जलसे का कार्यक्रम संपन्न हुआ जलसे में बोलते हुए मुफ्ती सबीहुल हसन ने कहा की मां-बाप की खिदमत अहम फरीजा है मां के कदमों के तले जन्नत है शबे बरात की रात में जो दुआएं मांगी जाती हैं व मकबूले बारगाहे खुदावन्दी होती हैं पूरी रात नातो मनकबद सलातो सलाम और नमाज में लोग मशगूल रहे और अपने पूर्वजों की कब्रों पर जाकर कब्रिस्तान पर दुआएं मांगी मुल्क में अमनो अमान और सलामती की जगह-जगह दुआएं मांगी गई।

नेपाल के सैकड़ों यात्री कुम्भ जाने के लिए, रहे बेहाल

रूपईडीहा बहराइच। शिव और शक्ति के उपासक नेपाल से कुम्भ जाने के लिए बीते एक माह से जनसैलाब उमड़ रहा है।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने रूपईडीहा डीपो का उद्घाटन करते समय कह था कि रूपईडीहा डीपो को पचास नई बसें दे रहे हैं। कुम्भ प्रारम्भ होने के समय से ही रूपईडीहा डीपो से हजारों यात्री नित्य कुम्भ जा रहे हैं। कुम्भ जाने के लिए वर्तमान समय में सारी जर्जर पुरानी बसें लगा दी गईं हैं। इस समय कुम्भ जाने के लिए चार बसें कुम्भ जाने के लिए भरी खड़ी हैं। चालक परिचालको की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परंतु चालक व परिचालक अपनी अपनी बसें छोड़कर न जाने कहां घूम रहे हैं। बस नम्बर यूपी 78 एफटी 9140 में सभी नेपाली सवारियां परेशान हैं एक घंटे से भरी खड़ी है। इसी प्रकार तीन बसे और भरी खड़ी हैं डीपो पर यात्रियों का रेला उमड़ रहा है। नई बसे महीनों से यहां नहीं हैं और तो और रोडवेज इंचार्ज से बात की गई तो उन्होंने कहा बसों की व्यवस्था हो रही है। डीपो पर नेपाली तीर्थ यात्रियों का जमावड़ा लगा है। परिवहन निगम की सारी व्यवस्थाएं रूपईडीहा डीपो पर दम तोड़ते नजर आ रही हैं।

सपा ने नगर पंचायत रूपईडीहा के गोकुलपुर में किया, पीडीए पंचायत

रुपईडीहा बहराइच। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निर्देश पर चलाई जा रही पीडीए पंचायत का आयोजन नगर पंचायत रुपईडीहा के वार्ड नंबर 2 गोकुलपुर में आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में पार्टी के जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव एडवोकेट बतौर मुख्यवक्ता उपस्थित हुए। जबकि विशिष्ट वक्ता पूर्व विधायक रमेश गौतम रहें।कार्यक्रम का आयोजन सपा नेता शब्बीर अहमद नें किया। पंचायत में प्रताप अलबेला, ब्लाक अध्यक्ष, रसीद अहमद,राम निवास आर्य, राम सूरत गौतम, अजय गौतम, तेज प्रसाद वर्मा विनोद मिश्रा, राम नरेश यादव, कृष्ण मुरारी सोनी, दाताराम सोनकर नें बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया।

पीएम आवास गलत सर्वे करने एवं कराने वालों पर होगी एफआईआर

(खरी कसौटी संवाद)

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यों, निर्माण कार्यों, गोवंश संरक्षण, पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, पीएम विश्वकर्मा, जीरो पॉवर्टी, जन चौपाल कार्यक्रम, पंचायत सहायक से प्राप्त शिकायतों, जल जीवन मिशन ग्रामीण की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट में खराब श्रेणी प्रदर्शित करने वाले इंडिकेटर में रहने वाले विभाग व कार्यों से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों/योजनाओं में गुणात्मक प्रगति लाते हुए बेहतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि कार्यो के संचालन एवं क्रियान्वयन में लापरवाही के कारण सीएम डैश-बोर्ड पर खराब रैंकिंग दर्शाने वाले विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास सर्वे में गलती करने एवं कराने वालों पर एफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां ज्यादा गलतियों मिलेंगी वहां पर गैंगस्टर की भी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास सर्वे को लेकर सभी अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर गंभीरता से कार्य करने हेतु निर्देशित करें। उन्होंने जन चौपाल में लगे अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांवों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा वितरित किए पुष्टाहार तथा जन सहभागिता में दिए गए गोवंशो का भी सत्यापन करें। उन्होंने ग्राम चौपाल की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि ध्यान रखा जाए की चौपाल में प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में सफाई कर्मचारी स्वयं ना जाकर दूसरों से सफाई कराते रहे हैं ऐसे सफाई कर्मचारियों, एडीओ पंचायत एवं सफाई करने वाले तीनों लोगों पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। जिलाधिकारी ने खराब ट्रांसफार्मरों की समीक्षा करते हुए बिजली विभाग को निर्देशित किया कि विभाग के अलावा अन्य मध्यमों से खराब ट्रांसफार्मर की यदि सूचना मिली तो संबंधित जेई एवं एई के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांगजन पेंशन एवं दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनने के लिए प्रत्येक विकासखंड में कैंप लगाने के लिए कहा। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायतों में पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्य एवं पानी का कनेक्शन आदि से सम्बंधित समीक्षा करते हुए अधि अभि जल निगम को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्यो में प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा के साथ-साथ भौतिक प्रगति एवं वित्तीय प्रगति की आकड़ेवार समीक्षा की गयी। पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, फैमिली आईडी बनायी जाने की प्रगति सहित अन्य विकास एवं निर्माण कार्यो की विस्तृत समीक्षा करते हुए सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी बनाये जाने की प्रगति की ब्लाकवार जानकारी प्राप्त करते हुए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि 25 प्रतिशत से काम प्रगति नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने विभागों द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारी गण प्रत्येक दशा में योजनाओं के संचालन में समयबद्धता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

भ्रमण कर देखा रूटडायवर्जन और श्रद्धालुओं को कराया गया जलपान

खरी कसौटी ब्यूरो

अंबेडकर नगर। महाकुम्भ-2025 से विभिन्न मार्गों से गुजरने वाले श्रद्धालुओं का जिलाधिकारी अविनाश सिंह व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार द्वारा विभिन्न स्थलों/मार्गों यथा दोस्तपुर (पूर्वांचल एक्सप्रेसवे), खंडौरा आजमगढ़ बॉर्डर, यादव नगर चौराहा आदि स्थलों पर पहुंचकर यातायात, शान्ति व्यवस्था का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं को स्वल्पाहार, मिठाई, फल , खाना तथा पानी आदि देकर उनके गंतव्य हेतु रवाना करने के कार्यों के संबंध में ड्यूटी पर लगाए गए अधिकारियों एवं पुलिस के जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं हेतु की गई व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए ड्यूटी पर लगाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रूट डायवर्जन, यातायात व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के साथ साथ श्रद्धालुओं को ठहरने एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था नियमित सुनिश्चित रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए अधिकारी द्वय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जनपद में जितने भी श्रद्धालु अन्य जनपदों प्रान्तो से आ रहे है, उन्हे सम्मान के साथ सुगमतापूवर्क यातायात, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाएगी। वार्ता के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जनपद में की गई व्यवस्थाओं की सराहना की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित व आम जनता श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए संवेदनशील स्थानों पर सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी अपने कार्य के प्रति सतर्क एवं जिम्मेदार रहें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉक्टर सदानंद गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक, संबंधित उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हजरत हकीम मौलवी शफीकुर्रहमान मियां का 25 वां सालाना उर्स अकीदत के साथ मनाया

शाहजहांपुर। हजरत हकीम मौलवी शफीकुर्रहमान मियां का 25 वां सालाना उर्स यहां ईदगाह के निकट ककरा रोड पर अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया।शाम से लेकर आधी रात तक जायरीन मजार शरीफ पर गुलपोशी और चादर पोशी करते रहे। इशा की नमाज के बाद राशिद मियां की सरपरस्ती में जलसे की शुरुआत कुरआन की तिलावत से हुई। इसके बाद जलसे को संबोधित करते हुए मौलाना मुहम्मद जाबिर शाह नियाजी ने हजरत हकीम मौलवी शफीक उर-रहमान मियां के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हकीम शफीक -उर-रहमान साहब ने अपना पूरा जीवन अत्यंत सादगी के साथ मानवता और दीन की खिदमत में बिताया। मौलाना अफजल कादरी ने शब-ए-बरात की फजीलत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस रात इबादत करने का बड़ा सवाब मिलता है। नात ख्वां रेहान कादरी, किश्वर दानाई, हाफिज ताज मुहम्मद और सूफी फूल मियां ने नात और मनकबत पेश की। सलाम ए मुस्तफा के बाद रात 12:35 बजे कुल शरीफ़ हुआ। जिसमें हुफ्फाज ने कुरआन शरीफ की आयतें पढ़कर साहिब ए उर्स को इसाले सवाब किया। मौलाना जाबिर शाह नियाज़ी ने लोगों की समृद्धि और सुरक्षा तथा देश में शांति एवं तरक्की के लिए दुआ की। उर्स व कुल में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष व पूर्व पालिका चेयरमैन तनवीर खां, ईदगाह समिति के अध्यक्ष राहत अली खां कुन्नू, सचिव सैयद कासिम रजा, शमशाद कुरैशी, शाहिद कुरैशी, मोनिस खां, अफवांन खां, इब्राहीम आदि समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

झारखंड की तीर्थयात्रियों से भरी बस के ड्राइवर के अपहरण के मामले में महिला समेत तीन गिरफ्तार

खरी कसौटी ब्यूरो

अम्बेडकर नगर। प्रयागराज महाकुंभ से अयोध्या होते हुए काशी ,वाराणसी में दर्शन के लिए जा रही झारखंड की तीर्थयात्रियों से भरी बस के चालक को अगवा करने के मामले में बसखारी थाना पुलिस ने फॉरच्यूनर कार सवार एक महिला और दो पुरुष समेत तीन आरोपियों के खिलाफ फिरौती के लिए अपहरण करने का मुकदमा दर्ज किया है। शुक्रवार को पुलिस ने तीनों आरोपियों को सक्षम न्यायालय में पेश किया है। वहां से तीनों को जेल भेज दिया गया है।

गुरुवार शाम करीब 06 बजे बसखारी पश्चिमी चौराहा (मुख्य चौक) पर प्रयागराज से अयोध्या होते हुए वाराणसी जा रही झारखंड की बस संख्या जेएच02 एआर 0809 से फॉरच्यूनर कार की हल्की टक्कर लग गई थी। टक्कर से गुस्साए कार सवार लोगों ने झारखंड की बस के चालक को बस से उतार कर अगवा कर लिए। चालक के अगवा होते ही बस में सवार महिला व पुरुष समेत कुल 55 तीर्थयात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। जिसके कारण बसखारी मुख्य चौक पर काफी जाम लग गया और अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। सीओ सिटी देवेंद्र कुमार व बसखारी थाना प्रभारी संत कुमार सिंह अपने स्तर से अगवा करने वाले फॉरच्यूनर कार सवार के लोगों की तलाश में लगे हुए थे। भाजपा का झंडा लगा फॉरच्यूनर कार सवार के लोगों का लोकेशन बसखारी से करीब 15 किमी दूर आलापुर थाना के विमावल स्थित एचएल डिग्री कालेज के पास मिला। बसखारी थाने की एसआई प्रेम बहादुर यादव, एसआई रवि यादव, कांस्टेबल क्रमशः कुशल पाल सिंह, सौरभ यादव, महिला कांस्टेबल क्रमशः अर्चना सिंह व शिबू यादव समेत पुलिसकर्मियों की दूसरी बड़ी टीम को आरोपियों की तलाश में तत्काल रवाना किया गया।खास बात यह है कि अपहरणकर्ता मोबाइल फोन से बस चालक की रिहाई के बदले फिरौती के तौर पर 60 हजार की रकम की मांग कर रहे थे। आखिरकार पुलिस की दूसरी टीम एचएल डिग्री कालेज पहुंच गई। पुलिस ने घेराबंदी करके फॉरच्यूनर कार को अपने कब्जे में ले लिया और उसमें सवार एक महिला व दो पुरुष समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया। बसखारी थाना प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड के बस चालक मुकेश कुमार तिवारी पुत्र परमानंद तिवारी निवासी ग्राम बैदौली नावाडीह थाना राजपुर जिला चतरा राज्य झारखंड को अगवा कर फिरौती की मांग करने वाले मामले में झारखंड के हजारीबाग के थाना कदकमदाग निवासी तीर्थयात्री गोलू पांडेय उर्फ पुरुषोत्तम पांडेय पुत्र देवेंद्र पांडेय ने मुकदमा लिखवाया है।

कलान में स्टेट हाईवे पर लगता है हर रोज जाम, फसने से ग्रामीण हो रहे हैं परेशान

(खरी कसौटी संवाद)

कलान/शाहजहांपुर। नगर पंचायत में स्थित मुरादाबाद फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर हर रोज वाहनों का लंबा जाम लगता है,क्योंकि यहां स्टेट हाईवे के दोनों तरफ चाटक्षपकौड़ी फल आदि के ठेले पटरी पर लगे रहते हैं।जबकि थाना रोड ,ब्लॉक रोड के थोड़े आगे सब्जी मंडी स्टेट हाईवे के किनारे लगती है,जिस कारण सब्जी खरीदने वाले अपनी बाइक खड़ी कर जाम की समस्या पैदा कर रहे हैं।

वहीं जाम लगने का सबसे बड़ा कारण है कि ई- रिक्शा व डग्गामार वाहन स्टेट हाईवे के किनारे पटरी पर खड़े कर देते हैं। जिस कारण अतिक्रमण की समस्या खड़ी हो जाती है और प्रत्येक दिन जाम लगना आम बात हो गयी है।कहने को तो इस स्टेट हाईवे पर कई जगह पीआरडी होमगार्ड की ड्यूटी लगाई जाती है और चीता बाइक मोबाइल भी दौड़ती रहती है लेकिन जाम की समस्या हर समय बनी रहती है क्योंकि जिम्मेदार अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं।स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद मार्ग पर हर समय लंबा वाहनों का जाम लगा रहता है।जिस कारण पैदल दूभर हो गया है।बताया जाता है कि जब अखबारों में कभी कभार स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर जाम की खबर प्रकाशित हो जाती है।तो जरूर पुलिस सक्रियता दिखाती है।

बाद में फिर यह मामला ठंडा पड़ जाता है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर ई रिक्शा वाले ही जाम की समस्या पैदा करते हैं क्योंकि उनके खड़े होने की जगह निश्चित नहीं की गई है।उधर बताते हैं कि दो-तीन माहप हले जब रोज-रोज जाम की समस्या मुरादाबाद फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे परक्षहोने लगी तो जरूर पुलिस ने सब्जी मंडी के दुकानदारों को हटाकर नाली से दूर दुकान लगाने को कहा था।सब्जी दुकानदारों ने दुकान हटा ली और भी अतिक्रमण नाली आदि से हट गया लेकिन फिर पुनः सब्जी की दुकान रोड के किनारे नाली पर लगने लगीं।जिस वजह से जाम की समस्या उत्पन्न रही है।शुक्रवार को दो बजे स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर जाम लग गया।करीब आधा घंटे बाद बामुश्किल जाम खुल सका। पुलिस को चाहिए पीआरडी होमगार्ड जवानों के साथ खुद जाम खुलवाने के लिए ड्यूटी करे। स्टेट हाईवे पर अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभाग एक मुहिम चला चुका है।फिर भी जाम की समस्या निजात नहीं मिल पा रही है जबकि कलान को नगर पंचायत का दर्ज़ा मिले डेढ वर्ष से अधिक का समय हो गया है।जिम्मेदार अधिकारीयों को चाहिए कि स्टेट हाईवे पर अतिक्रमण को हटाकर जाम की समस्या से निजात दिलायें। क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से समस्या से निजात दिलाएं जाने की मांग की है।

ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ एआरटीओ ने की कार्यवाही शुरू

खरी कसौटी ब्यूरो

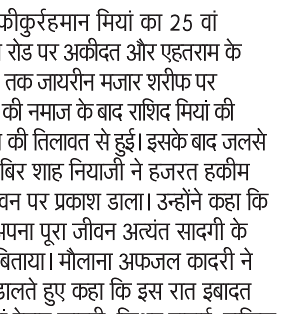

पीलीभीत। सड़क सुरक्षा अभियान की धज्जियां उड़ाते और ट्फेट नियमों का खुलेआम ओवरलोड और आवर हाइट गाना लगे ट्रक का परिचालन बेखौफ सड़कों पर जारी है। सड़कों पर बेखौफ होकर गन्ना लदे ओवरलोड ट्रकों के दौड़ने पर ट्रैफिक विभाग और संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय की शिथिलता के कारण लगाम नहीं लग पा रही थी। सड़क सुरक्षा निर्देशों के उल्लंघन स्वरूप दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए जिला अधिकारी ने कड़े निर्देश दिए। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने सड़क पर उतरकर ओवरलोड गन्ना लदे तीन ट्रक ओवरहाइट गन्ना का परिवहन करते पाए जाने पर उनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही की। साथ ही दो ऑटो टेंपो निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियों का परिवहन करते पाये। जिस पर उनके विरुद्ध चालान की कार्रवाई अमल में लाई गई। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने कहा यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही निरंतर चालू रहेगी। यात्रा है कि नगर की सड़कों पर बड़ी संख्या में अवैध रूप से ई रिक्शा का भी परिचालन धड़ल्ले से जारी है बड़ी संख्या में फर्जी ढंग से बिना पंजीकरण के ई-रिक्शा सड़कों पर दौड़ रहे हैं अधिकांश ई रिक्शा चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ी का इंश्योरेंस आदि भी मौजूद नहीं है।

नेपाल के सीमावर्ती गांवों में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ व सजकता अपनाने के प्रति किया जागरूक

पीलीभीत। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत शुक्र वार को नेपाल देश की सीमावर्ती गांव टीला नंबर 4 में चाइल्ड हेल्पलाइन एवं थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग द्वारा संयुक्त रूप से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता के निर्देश अनुसार सीमावर्ती गांव टीला नंबर 4 के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में सशस्त्र सीमा बल के जवानों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना निर्वान सिंह ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम में थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के सब इंस्पेक्टर रमाकांती ने सीमा पर मानव तस्करी को लेकर वरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरुक करते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति आपके बच्चों को लालच देकर या कहीं पर काम लगवाने के बहाने ले जाने की बात करता है, तो इसकी जानकारी तत्काल निकटतम पुलिस थाना एवं सशस्त्र सीमा बल को उपलब्ध कराए। कार्यक्रम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग कॉन्स्टेबल अमित कुमार महिला कॉन्स्टेबल, संध्या सिंह, सशस्त्र सीमा बल के एएसआई सत्यपाल सिंह भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय कुर्मी महासभा की अनोखी पहल, मृत्यु भोज रोककर कराई शोक सभा

सुलतानपुर। रामयज्ञ वर्मा ग्राम सभा दिवाकर पट्टी पोस्ट गौरा सुलतानपुर ने स्मृति शेष सभाजीत वर्मा के मृत्यु उपरांत भारतीय कुर्मी महासभा जिलाध्यक्ष अंकुर पटेल एवं जिला महासचिव सुनील पटेल के नेतृत्व में शोक सभा संपन्न कराया गया। जिसका संचालन सियाराम वर्मा अमेठी(प्रदेश सचिव भारतीय कुर्मी महासभा) ने किया । मुख्य वक्ता के रूप में प्रवीण कुमार पटेल प्रतापगढ़ (मंडल सचिव भारतीय कुर्मी महासभा) अंकुर पटेल (जिला अध्यक्ष भारतीय कुर्मी महासभा सुलतानपुर) सुनील कुमार पटेल (जिला महासचिव भारतीय कुर्मी महासभा सुलतानपुर) सदाशिव वर्मा संस्कृत प्रवक्ता नतौली इंटर कॉलेज,अजय कुमार वर्मा फुलौना आदि वक्ताओं ने तेरहवीं जैसी कुप्रथा तथा समाज में फैले आडंबर एवं पाखंडवाद को खत्म करके बच्चों की शिक्षा पर जोर देने पर सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखें तथा अपने बच्चों को शिक्षा के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए आडंबरों से दूर रहने की सलाह दी। सभी वक्ताओं ने शोक सभा में अपने वक्तव्य के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करने के लिए एक संकल्प लिया और उपस्थित सदस्यों ने स्मृति शेष सभाजीत वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किया एवं शोक सभा के अंत में 2 मिनट का मौन रखकर दुखी परिवार को प्रकृति से संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

जमाते इस्लामी हिंद ने की नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की शुरुआत

पीलीभीत। जमाते इस्लामी हिडेन नशा मुक्ति जागरूकता अभियान 14 फरवरी से 23 फरवरी तक चलाने के अभियान का आज शुभारंभ किया। जमाते इस्लामी हिंद उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिला संयोजक अतीक अहमद इस्लाही ने समाज श में नशे के बढ़ते प्रचलन को समाज के लिए अभिशाप बताया। उन्होंने कहा कि नशा समाज व मुल्क की तरक्की के लिए घातक है। इसे रोका जाए।नशे की हालत में और नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति नैतिक, आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को भुलाकर घरेलू हिंसा बलात्कार, धार्मिक व नैतिक बुराइयों, अपराधिक कृत्यों, बच्चों, बालक बालिकाओं के साथ यौन अपराधिक कृत्य में कोई संकोच नहीं करते। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विकास की ओर दुनिया बढ़ रही है,नैतिकता का ह्रास हो रहा है।एक बड़ी बुराई नशा है। इसका चलन समाज में तेजी से बढ़ रहा है।नशे के नए-नए रूप में शराब ड्रग्स, गांजा, भांग हीरोइन आदि का नशा पहले से था। अब नशे के लिए कफ सिरप, नींद की गोलियां, व्हाइट थिनर,पेट्रोल, थिनर सूंघने से नशा करने व अन्य केमिकलों के माध्यम से नशा करने के नए-नए तरीके नई युवा पीढ़ी को लोग लत लगा रहे हैं।और उन्हें शुरू में चस्के के तौर पर सीखते हैं बाद में वह इस आदत के शिकार हो जाते हैं।नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति प्रलोभन और फैशन के तौर पर शुरू करके जाल में फंसकर काफी नीचे तक गिरना स्वीकार कर लेता है।उन्होंने समाज के कई धार्मिक अनुष्ठानों में शराब का प्रयोग होने,धर्म गुरुओं को लेकर इसके प्रति कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं रखने को लेकर चिंता जताई।उन्होंने कहा कि जमाते इस्लामी हिंद एक देशव्यापी धार्मिक एवं सामाजिक संगठन है।उसके द्वारा स्कूलों कॉलेज समाज के महिला,पुरुषों,बच्चों, में जाकर नशे के प्रति होने वाले बुराइयों को उजागर कर समाज को नशे की लत से बचाने के लिए जागरूक करने के अभियान को चलाएंगे। अभियान में सभी के सहयोग की अपील की है।

आई0जी0आर0एस0 जन शिकायतों की समीक्षा

पीलीभीत। जिलाधिकारी संजय सिंह की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने एवं फीडबैक में सुधार लाये जाने से सम्बन्धित समीक्षा गांधी सभागार में की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं जनसामान्य के शिकायतों के निस्तारण के प्रति शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निस्तारण की गुणवत्ता खराब होने के कारण उच्च स्तर से शिकायतें पुनः वापस आना उचित नहीं माना जायेगा। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद के प्रकरणों अथवा भूमि की पैमाईश के प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर शीघ्र निस्तारण कराया जाये एवं इसके वाद ही आख्या अपलोड करें। उन्होंने कहा कि प्राप्त सन्दर्भो/प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण किया जाय। प्राप्त संदर्भो की साप्ताहिक समीक्षा भी की जाये तथा बार बार एक ही व्यक्ति से प्राप्त हो रहे संदर्भो को शिकायतकर्ता से वार्ताकर गुणवत्ता परक निस्तारण किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि नियति तिथि पूर्व निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी के0के0सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ऋतु पूनिया, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता आयोग ने कम्पनी पर लगाया भारी जुर्माना

बहराइच। विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के प्रताप पुर निवासी उदय प्रताप सिंह ने जून 14 में अशोक लेलैंड कम्पनी को लोडर वाहन, अयोध्या के सहादतगंज की फर्म ऋषि ऑटो सेल्स प्रा . लिमिटेड से क्रय किया। तीन ही महीने में लोडर वाहन का चेचिस दोनों साइड से क्रेक हो गया। इसकी शिकायत ऑटो सेल्स से की तो वाहन को वर्कशाप पर मंगा लिया। नई चेचिस की भरपाई न होने से क्रेता ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दाखिल किया। लम्बी सुनवाई के बाद वर्ष 22 में आयोग अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश तिवारी, सदस्य मोनिका परिदर्शिनी व अम्बिकेश्वर प्रसाद ने कम्पनी के एमडी, ऑटो सेल्स अयोध्या व ब्रांच ऑफिस के प्रोपराइटर को नई चेचिस के साथ लोडर मुहैया कराने व परिवाद दाखिल होने की तारीख से एक सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से हर्ज़ाना देने का आदेश दिया। परिवादी के अधिवक्ता मोहम्मद असलम ने बताया कि इस आदेश के बाद इसकी अपील राज्य उपभोक्ता आयोग में की गई और राज्य आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को सही ठहराया। इन आदेशों के बाद कंपनी व ऑटो सेल्स को करीब 3 . 74 लाख के जुर्माने के साथ नई चेचिस के वाहन देना होगा।

फ़ेसबुक पर पोस्ट कर युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ

बहराइच। रानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पंचायत गोबरहा के मजरा हरिद्वारपुरवा गांव निवासी प्रवीण पाठक (30) पुत्र प्रेमनाथ पाठक ने लव मैरिज विवाह किया था। वह शहर में किराए के मकान में पत्नी के साथ रहते थे। गुरुवार रात में प्रवीण पाठक घर पर थे। बड़े भाई तरुण पाठक ने बताया कि प्रवीण ने फ़ेसबुक पर आज का दिन अंतिम होने की बात पोस्ट की और मां के हाथ का खाना खाया। इसके बाद उसने रात में जहरीला पदार्थ खा लिया। रात ढाई बजे हालत गंभीर होने पर उससे परिवार के लोगों को इसकी जानकारी दी। जिस पर युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन सुबह पांच से छह बजे के मध्य युवक की मौत हो गई। जिस पर शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत से मां का रो रो कर बुरा हाल है। मालूम हो कि मृतक का सात वर्ष पहले विवाह था। ससुर पुलिस विभाग में कार्यरत कर्मचारी है।

सम्पन्न हुई जिला सतर्कता समिति की बैठक

बहराइच। बृहस्पतिवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सतर्कता समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न पहुंचने पर नोडल अधिकारी द्वारा खाद्यान्न का सत्यापन करने के पश्चात उचित दर विक्रेता द्वारा राशनकार्ड धारकों को गल्ले इत्यादि का वितरण किया जाय। डीएम ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक माह वितरण समाप्ति के उपरान्त वितरण प्रमाण-पत्र तहसील स्तर पर एकत्रित किये जायें तथा सम्बन्धित एसडीएम द्वारा वितरण प्रमाण-पत्रों की समीक्षा भी की जाय। ई-केवाईसी प्रगति की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अब तक 73.84 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। ई-केवाईसी में जनपद प्रदेश में 50वें स्थान पर है। डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी व उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये।

बाजार में बिक रहे नकली अंडे: लिवर-किडनी के लिए होते हैं खतरनाक

लेखक: संदीप सिंह

अंडे प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स हैं। महज 2 अंडों से करीब 12 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। इसके अलावा अंडे में विटामिन्स, मिनरल्स और हेल्दी फैट होता है, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। हालांकि आजकल बाजार में नकली अंडे भी मिल रहे हैं। ये दिखने में बिल्कुल असली अंडे जैसे ही होते हैं। इन्हें खाने से लिवर और किडनी से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अंडे खरीदने से पहले असली और नकली अंडे की पहचान करना बहुत जरूरी है।

सवाल- नकली अंडा क्या होता है?

जवाब- यह मुर्गी का अंडा नहीं होता है, बल्कि इसे केमिकल्स और सिंथेटिक पदार्थों से बनाया जाता है। ये अंडे देखने में हू-ब-हू असली अंडे जैसे लगते हैं, लेकिन इनमें असली अंडों जैसे न्यूट्रिएंट्स नहीं होते हैं। इन्हें खाना सेहत के लिए हानिकारक है। नकली अंडे के सफ़ेद भाग को सोडियम एल्गिनेट, जिलेटिन और अन्य गाढ़े पदार्थों से बनाया जाता है। वहीं अंडे की जर्दी (पीला भाग) को पीले रंग के आर्टिफिशियल कलर से और अंडे के खोल को कैल्शियम कार्बोनेट और प्लास्टिक जैसी चीजों से मिलकर बनाया जाता है। नकली अंडे में पाए जाने वाला सिंथेटिक रेजिन प्लास्टिक जैसा पदार्थ होता है, जो पेट में पचता नहीं है और शरीर में जमा हो सकता है। इससे आंतों और पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों को सोडियम एल्गिनेट से स्किन एलर्जी हो सकती है, जिससे स्किन पर रैशेज, खुजली या दाने हो सकते हैं।

सवाल- नकली और असली अंडे की पहचान कैसे कर सकते हैं?

जवाब- असली और नकली अंडों की पहचान उसके छिलके और बनावट से कर सकते हैं। असली अंडे का छिलका थोड़ा खुरदुरा और दानेदार होता है, जबकि नकली अंडे का छिलका बिल्कुल चिकना होता है। यह सामान्य अंडे की तुलना में अधिक चमकदार भी होता है। इसलिए अगर कोई दुकानदार आपको बहुत चिकना या चमकदार अंडा दे रहा है तो सावधान हो जाएं। बाजार से सही अंडा चुनना जरूरी है। तभी पोषण से भरपूर ये फूड आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। हमेशा भरोसेमंद दुकान, बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर से और किसी अच्छे ब्रांड के अंडे ही लेने चाहिए। इसके अलावा अंडा फ्रेश है या नहीं, ये जानने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी लें और अंडों को उसमें डाल दें। अगर अंडा बर्तन की तली में नीचे बैठ जाए तो समझ लें कि अंडा बढ़िया और खाने लायक है। अगर अंडा थोड़ा सा टेढ़ा हो तो समझें कि अंडा उतना फ्रेश नहीं है। लेकिन फिर भी खाने लायक है। लेकिन यदि अंडा पानी में तैरता दिखे तो उसे बिल्कुल भी न खाएं।

सवाल- एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति एक दिन में कितने अंडे खा सकता है?

जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि प्रतिदिन की अंडों की संख्या उम्र, जेंडर और लाइफ स्टाइल पर निर्भर करती है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति को प्रतिदिन 1 से 2 अंडे खाने की सलाह दी जाती है। वहीं जो लोग नियमित एक्सरसाइज करते हैं या एथलीट हैं, उन्हें प्रोटीन की अधिक जरूरत होती है। ऐसे लोग अपने डाइटीशियन की सलाह के बाद ही अंडे की संख्या तय करें। अंडे की तासीर गर्म होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में ज्यादा खाने से बचना चाहिए। इससे शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। हमेशा अंडे खरीदते समय ऑर्गेनिक अंडों को ही प्राथमिकता दें। ऑर्गेनिक अंडे उन मुर्गियों से आते हैं, जो शाकाहारी भोजन खाती हैं। इनके फीड में किसी तरह का एंटीबायोटिक या कोक्सिडियन नहीं मिलाया जाता है। इसके अलावा कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखे।

90 रुपये में आलीशान घर खरीदने का मौका!

एकता

यदि आप दुनिया के एक सुंदर कोने में एक घर खरीदना चाहते हैं, तो इटली एक शानदार गंतव्य है। वास्तव में, इटली, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, भव्य वास्तुकला और मोहक प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है, एक योजना चला रहा है जिसके तहत किसी भी देश के लोग यहां घर खरीद सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि सबसे अच्छी बात क्या है? भारतीय इटली के एक सुंदर गांव में केवल 90 रुपये में एक घर खरीद सकते हैं। यह एक अविश्वसनीय अवसर है जो आपको अपने सपनों का घर खरीदने की अनुमति देता है। तो यदि आप एक सुंदर और ऐतिहासिक स्थान पर घर खरीदने की सोच रहे हैं, तो इटली एक शानदार विकल्प है। यहां घर खरीदने के लिए आपको केवल 90 रुपये की आवश्यकता है, जो एक अविश्वसनीय अवसर है। तो देर किस बात की? आज ही इटली में अपने सपनों का घर खरीदने के लिए आवेदन करें!

इटली की इस अनोखी योजना की शुरुआत कैसे हुई?

दरअसल, इटली के कई छोटे शहर और गांव पिछले कुछ दशकों से जनसंख्या घटने की समस्या से जूझ रहे हैं। युवा पीढ़ी रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रही है, जिसके कारण इन गांवों में घर और इमारतें खाली पड़ी हैं। इन खाली पड़े घरों का रखरखाव न होने के कारण वे धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। इससे न केवल इन गांवों की सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व कम हो रहा है, बल्कि यहां के निवासियों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती है।यह योजना न केवल इन गांवों को फिर से जीवंत करने में मदद करेगी, बल्कि यहां के निवासियों के लिए भी रोजगार और आर्थिक अवसर प्रदान करेगी।

कई छोटे शहर और गांव इस योजना का हिस्सा

इटली के कई छोटे शहर और गांव इस योजना का हिस्सा बन चुके हैं, जहां आप अपने सपनों का घर खरीद सकते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख नाम हैं: सिसिली का गांव सम्बुका: यह गांव अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। पिडमॉन्ट क्षेत्र का बार्गा: यह गांव अपनी सुंदर वादियों और ऐतिहासिक इमारतों के लिए प्रसिद्ध है। कैम्पानिया क्षेत्र का सेलेमे: यह गांव अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। इन गांवों की स्थानीय सरकारें अब नए लोगों को आकर्षित करने के लिए यह अनोखी पहल कर रही हैं।

1 यूरो में घर खरीदने की शर्तें

इटली में 1 यूरो में घर खरीदने का अवसर आपके लिए आकर्षक लग सकता है, लेकिन इसके लिए आपको कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। इन शर्तों को पूरा करने के बाद, आप अपने सपनों का घर 1 यूरो में खरीद सकते हैं। यहां कुछ मुख्य शर्तें हैं: नवीनीकरण योजना: घर खरीदने के बाद आपको एक नवीनी करण योजना जमा करनी होगी, जिसमें आपको घर के नवीनीकरण के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत करनी होगी। आमतौर पर, आपको 365 दिनों के अंदर यह योजना जमा करनी होगी। नोटरी फीस: आपको पंजीकरण और संपत्ति हस्तांतरण के लिए नोटरी फीस का भुगतान करना होगा। यह फीस आमतौर पर घर की कीमत का एक छोटा सा हिस्सा होती है। समय सीमा: नगरपालिका से जरूरी परमिट मिलने के बाद, आपको उनके द्वारा तय समय सीमा के अंदर नवीनीकरण का काम शुरू करना होगा। यह समय सीमा आमतौर पर 3 से 6 महीने के बीच होती है। सुरक्षा निधि: यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप काम पूरा करेंगे, आपको 1,000 यूरो से 5,000 यूरो तक की सुरक्षा निधि जमा करनी होगी। यह राशि आपको परियोजना पूरी होने के बाद वापस कर दी जाएगी, आमतौर पर तीन साल के अंदर।

वे किसी मुश्किल स्थिति में हैं तो सुझाव या सलाह देने से पहले एक बार सोचें

लेखक: शशांक शुक्ला

ऐसा व्यक्ति जो स्वभाव से खुशमिजाज हो और पहले उत्साह से भरा रहता हो, अचानक चुप हो जाए और किसी काम में उसका मन न लगे तो यह संकेत हो सकता है कि वह अंदर से परेशान है। इस दौरान उसका फिजिकल बिहेवियर भी बदल सकता है। उसे थकान, सुस्ती या नींद की समस्या हो सकती है। वह अक्सर छोटी-छोटी बातों से परेशान हो सकता है और सेल्फ-कॉन्फिडेंस की कमी महसूस कर सकता है। यह जरूरी है कि हम ऐसे लोगों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं और यह समझने की कोशिश करें कि उनके मन में क्या चल रहा है। कई बार स्ट्रेस, फैमिली या रिलेशनशिप की प्रॉब्लम्स, काम का दबाव या हेल्थ से जुड़ी चिंताएं किसी को मेंटली परेशान कर सकती हैं। इनके अलावा कोई डर या निराशा भी उदासी का कारण बन सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में हर किसी को इमोशनल हेल्प की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी समझदारी और सहानुभूति से हम किसी का दिल हल्का कर सकते हैं। साथ ही उन्हें वापस खुशहाल जीवन की ओर लौटने में मदद कर सकते हैं।

कोई लो फील करे तो क्या करें?

जब हमारा कोई दोस्त या परिवार का कोई सदस्य लो फील कर रहा होता है, तो हम सब उसकी मदद करना चाहते हैं। हालांकि, इसके लिए सबसे जरूरी चीज है कि आप मदद के लिए सही तरीका अपनाएं। कभी-कभी यह उदासी ब्रेक-अप या किसी रिश्ते में तकरार की वजह से हो सकती है। ऐसे में पहले यह समझना जरूरी है कि उनका मूड खराब क्यों है और उनके व्यवहार में क्या बदलाव आए हैं। वे पहले की तरह बात नहीं कर रहे, खाना नहीं खा रहे या सिर्फ अपने फोन में लगे रहते हैं। ये संकेत हो सकते हैं कि सबकुछ ठीक नहीं है। इस स्थिति में आप उनसे जुड़ने की कोशिश करें और उनका हौसला बढ़ाएं। हालांकि, इस दौरान हमें कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए और ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जो उन्हें और अधिक तकलीफ पहुंचाए। आइए इसे ग्राफिक के माध्यम से समझते हैं।

भावनाओं को हल्के में न लें

जब कोई व्यक्ति लो फील कर रहा हो तो यह न कहें, 'तुम्हें इससे बचना चाहिए' या 'यह कोई बड़ी बात नहीं है।' इस तरह के वाक्य बोलने से बचें। इससे उन्हें यह लग सकता है कि उनकी परेशानी का कोई महत्व नहीं है। इससे वे और भी ज्यादा अकेलापन महसूस कर सकते हैं। जब तक व्यक्ति आपसे सीधे मदद न मांगे, उन्हें अपनी सलाह देने से बचें। कई बार लोग चाहते हैं कि कोई उन्हें सुने, न कि उन्हें समस्याओं का समाधान बताए। अनचाही सलाह देने से उन्हें यह महसूस हो सकता है कि आप उनकी परेशानी को समझ नहीं पा रहे हैं। किसी को यह न कहें कि 'पॉजिटिव रहो' या 'तुम्हारी स्थिति इतनी भी बुरी नहीं है।' ऐसा कहना उनके संघर्षों को नकारना हो सकता है। इससे उन्हें और भी निराशा हो सकती है। ऐसे में हमें समझना चाहिए कि हर व्यक्ति की मुश्किलें अलग हो सकती हैं। उन्हें यह महसूस कराना जरूरी है कि आप उनके इमोशंस को समझते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

दोष देने से बचें

आलोचना करने या दोष देने से बचें। जैसे 'तुम हमेशा ऐसा ही करते हो' या 'तुमने यह गलती क्यों की,' ऐसे वाक्य बोलने से बचें। इससे उनका आत्मविश्वास और कम हो सकता है। तकलीफ पहुंचाने वाले हंसी-मजाक से बचें: हंसी-मजाक के दौरान ऐसा कुछ न बोलें कि उन्हें तकलीफ पहुंचे। गलत समय पर किया गया मजाक उन्हें और परेशान कर सकता है। अगर आपके किसी प्रियजन का मन उदास है तो आपकी थोड़ी सी मदद और सच्ची समझ उन्हें बेहतर महसूस करा सकती है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

उनकी बात सुनें

जब कोई उदास हो तो टोके बिना उनकी बातें सुनना, इमोशंस को समझने की कोशिश करना उन्हें बेहतर फील करा सकता है। सिर हिलाकर, आंखों में आंखें डालकर और सवाल पूछकर आप यह दिखा सकते हैं कि आप सच में उनकी परेशानियों को समझना चाहते हैं। लो फील करने पर कम आत्मविश्वास की वजह से वे अपनी पॉजिटिव क्वालिटीज को भूल सकते हैं। ऐसे में उनके साथ उनकी पिछली सफलता, अनूठी क्षमताओं के बारे में बात करें। जिन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया है, उसके लिए तारीफ करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें अपनी स्ट्रेंथ का एहसास होगा। आप उनके गुणों या अच्छे कामों के बारे में बात करें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप उन्हें महत्व देते हैं। उनकी क्वालिटीज के लिए उनकी सच्चे दिल से तारीफ करें। इससे उनमें आत्मविश्वास आएगा और वे अच्छा फील करेंगे। परिस्थितियों को उनके नजरिए से समझने की कोशिश करें। अगर वे किसी मुश्किल स्थिति में हैं तो सुझाव या सलाह देने से पहले एक बार सोचें।

राधा का उल्लेख तांत्रिक परंपराओं के उगम के साथ

देवदत्त पटनायक

साधारणतः हिंदू मंदिरों में एक से अधिक मूर्तियां होती हैं। हिंदू धर्म से अपरिचित लोगों को संभवतः यह लग सकता है कि हिंदू धर्म बहुदेववादी है। लेकिन हिंदू धर्मावलंबी मानते हैं कि ये मूर्तियां एक ही दिव्य शक्ति की विभिन्न अभिव्यक्तियां हैं, जिन्हें एक परिवार का रूप दिया गया है। यह हम शिव, विष्णु और देवी के मंदिरों में देख सकते हैं।

भगवान शिव एक वैरागी थे, जो फिर गृहस्थ बन गए

शिव एक वैरागी थे, जो फिर गृहस्थ बन गए। शैववाद में उनकी उपासना की जाती है। उनकी छवियों में हमेशा उनकी पत्नी पार्वती और दो पुत्र कार्तिकेय तथा गणेश उनके साथ होते हैं। कार्तिकेय से हमें सुरक्षा का अनुभव होता है, जबकि गणेश हमें पोसते हैं। इस प्रकार शिव के दो पुत्र हमारी सांसारिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। दूसरी ओर शिव और पार्वती पुरुष और प्रकृति जैसे पारलौकिक विचारों के प्रतीक हैं। यह शिव का परिवार है। शिव मंदिर में प्रवेश करने पर उनकी मूर्तियों के पहले नंदी बैल की मूर्ति होती है और कभी-कभार ब्रह्म या फिर कुर्म रूपी विष्णु की मूर्ति भी होती है।

वैष्णववाद में लक्ष्मी और विष्णु, यह अधिकतर दक्षिण भारत में

वैष्णववाद में लक्ष्मी और विष्णु को पूजा जाता है। यह अधिकतर दक्षिण भारत में देखा जाता है। विष्णु को केरल के पद्मनाभस्वामी मंदिर और तमिलनाडु के श्रीरंगम के मंदिरों में शेष नाग पर लेटे हुए या आंध्र प्रदेश के तिरुपति देवस्थानम में चार भुजाओं वाले खड़े विष्णु के रूप में दिखाया जाता है। हालांकि लक्ष्मी को विष्णु के साथ पूजा जाता है, उनकी मूर्ति साधारणतः दूसरे मंदिर में होती है। यह उनकी स्वायत्तता का प्रतीक है। इसके विपरीत, शिव मंदिरों में देवी की छवि मंदिर के भीतर शिव की मूर्ति के साथ होती है। गुजरात और राजस्थान के स्वामीनारायण मंदिर अनोखे हैं, क्योंकि उनमें विष्णु और लक्ष्मी की मूर्तियां एक साथ पूजी जाती हैं। किसी भी विष्णु मंदिर में विष्णु की संतान नहीं पाई जाती हैं। वैसे देखा जाए तो एक गृहस्थ देवता के लिए यह असाधारण है। विष्णु और लक्ष्मी के चारों ओर विष्णु के वाहन गरुड़ और कभी-कभार नारद जैसे भक्त और जय तथा विजय जैसे द्वारपाल होते हैं। साधारणतः विष्णु के बजाय उनके अवतार राम और कृष्ण पूजे जाते हैं। राम को अपनी पत्नी सीता के साथ पूजा जाता है। कभी-कभार मंदिर में उनके सेवक हनुमान और उनके अनुज लक्ष्मण भी होते हैं। कृष्ण को साधारणतः राधा के साथ पूजा जाता है।

राधा का उल्लेख तांत्रिक परंपराओं के उगम के साथ

राधा का उल्लेख तांत्रिक परंपराओं के उगम के साथ होने लगा। कई लोगों का मानना है कि कृष्ण और राधा पारलौकिक दंपती थे। लेकिन तांत्रिक परंपरा में उनका मिलन एक ऐसे संबंध का प्रतीक है, जिसकी प्रथा या नियम में कोई परिभाषा नहीं है। शिव को पार्वती और राम को सीता के पति माना जाता है। विष्णु को भी लक्ष्मी के पति माना जाता है। इसके विपरीत, कृष्ण का मामला ऐसा नहीं है। देवी के मंदिरों में देवी को किसी साथी या अपने पति के साथ कभी नहीं दिखाया जाता है। उन्हें स्वतंत्र और स्वायत्त शख्सियत के तौर पर दिखाया जाता है। परंपरागत देवी मंदिरों में उन्हें कभी-कभार एक महिला सहचरी के साथ दिखाया जाता है।

स्वास्थ्य

इसके स्वाद के चलते ही 17वीं सदी के मध्य में अनानास को ब्रिटेन की राजशाही में 'फलों का राजा' घोषित किया गया था, इसे फलों का राजा कहने की दूसरी वजह इसके ऊपर क्राउन जैसा आकार

अनानास खाने से दूर होता इंफ्लेमेशन: 15 औषधीय गुण, विटामिन सी का खजाना

लेखक: गौरव तिवारी

अनानास दुनिया के सबसे स्वादिष्ट फलों में से एक है। इसके स्वाद के चलते ही 17वीं सदी के मध्य में अनानास को ब्रिटेन की राजशाही में 'फलों का राजा' घोषित किया गया था। इसे फलों का राजा कहने की दूसरी वजह इसके ऊपर क्राउन जैसा आकार है। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी 'विंबलडन ट्रॉफी' के सबसे ऊपरी हिस्से को अनानास के आकार में ही ढाला गया है। स्वाद और बनावट के साथ अनानास सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए, मैंगनीज और एंजाइम जैसे पोषक तत्व होते हैं। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और एंजाइम्स इंफ्लेमेशन और कई बीमारियों से बचाते हैं। इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और कैंसर का जोखिम कम होता है। मात्र 100 ग्राम अनानास में हमारी रोजाना जरूरत का लगभग 80% विटामिन सी मिल जाता है। यह हाई न्यूट्रिशन वाला फल है। इसलिए छोटे से टुकड़े में ढेर सारे विटामिन्स और मिनरल्स मिल जाते हैं।

अनानास की न्यूट्रिशनल वैल्यू

अनानास का लगभग 86% हिस्सा पानी होता है। इसमें फाइबर और कार्ब्स पर्याप्त मात्रा में होता है। अनानास में विटामिन ए के अलावा पोटेशियम, कैल्शियम और आयरन जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स भी होते हैं। ग्राफिक में देखिए: अनानास का सबसे कमाल का गुण ये है कि यह एंटीइंफ्लेमेटरी होता है। इसका मतलब है कि यह शरीर में मौजूद सूजन को दूर करता है। इसका एंटी-वायरल गुण वायरस से होने वाले इन्फ़ेक्शन से बचाता है। यह स्किन प्रोटेक्टिव होता है और स्किन की झुर्रियां भी दूर करता है।

सवाल: क्या रोज अनानास खाना सुरक्षित है?

जवाब: हां, यह बिल्कुल सुरक्षित है। रोज अनानास खाने से मीठा खाने की इच्छा कम होती है और खाने में तृप्ति का एहसास बढ़ता है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर भी होता है। साथ ही कुछ पाचक एंजाइम होते हैं। इसलिए रोज अनानास खाने से पाचन तंत्र में सुधार होता है।

कहा जाता है कि खाली पेट अनानास खाना बेहद फायदेमंद

जवाब: हां, यह सच है। अनानास में एक खास एंजाइम ब्रोमेलेन होता है, जो प्रोटीन पचाने में मददगार है। अगर सुबह खाली पेट अनानास खाया जाए तो यह पाचन तंत्र को एक्टिवेट कर देता है। इससे पूरे दिन खाना पचाना आसान होता है। खाली पेट अनानास खाने से आंतों में मौजूद बैक्टीरिया में संतुलन बढ़ता है। यह आंतों को साफ करता है, इंफ्लेमेशन दूर करता है और कब्ज से छुटकारा दिलाता है। हालांकि जिनका पेट सेंसिटिव है या जिन्हें एसिडिटी की समस्या है, उन्हें खाली पेट अनानास खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह एक अम्लीय फल है। अनानास खाने का सबसे अच्छा समय खाली पेट है। लेकिन इसे सुबह के नाश्ते के साथ भी खा सकते हैं क्योंकि इसमें मौजूद ब्रोमेलेन से पाचन में मदद मिलती है। सुबह खाने से शरीर दिन भर एनर्जेटिक रहता है। भोजन के तुरंत बाद इसे खाने से बचना चाहिए।

क्या शाम ढलने के बाद या रात में अनानास खा सकते हैं?

जवाब: हां, अनानास रात में भी खा सकते हैं। असल में अनानास में मेलाटोनिन और ब्रोमेलेन एंजाइम होता है। इससे अच्छी नींद में मदद मिलती है। ब्रोमेलेन से मसल्स रिलैक्स होती हैं तो स्लीप क्वालिटी भी इंप्रूव हो सकती है। हालांकि, ज्यादा खाने से विटामिन ए की अधिकता के कारण नींद में खलल पड़ सकता है।

अनानास का जूस पीने से एसिड रिफ्लक्स हो सकता है?

जवाब: हां, कुछ लोगों को अनानास का जूस पीने से एसिड रिफ्लक्स हो सकता है। इसमें साइट्रिक एसिड होता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है। हालांकि, अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन एंजाइम पाचन में मदद करता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स की संभावना कम हो जाती है। आमतौर पर सीमित मात्रा में अनानास खाना सुरक्षित है। बहुत ज्यादा खाने से ये समस्याएं हो सकती हैं- पेट खराब हो सकता है। अपच या उल्टी हो सकती है। एसिड रिफ्लक्स हो सकता है। ब्रोमेलेन को कारण खून पतला हो सकता है। दांतों में सड़न और दर्द हो सकता है। एलर्जिक समस्याएं हो सकती हैं।

सवाल: क्या अनानास खाने से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं?

जवाब: हां, अनानास से कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है। इसके लक्षण हल्के से लेकर गंभीर हो सकते हैं। इसके कारण आमतौर पर खुजली, सूजन, चकत्ते और पेट की समस्याएं होती हैं। कुछ रेयर मामलों में अनानास से लाइफ थ्रेटनिंग एनाफिलेक्टिक रिएक्शन भी हो सकता है। इसमें पेशेंट को सांस लेने में समस्या होती है और तुरंत इलाज की जरूरत होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान अनानास एक सुरक्षित और हेल्दी विकल्प है। इसमें मौजूद ढेर सारे पोषक तत्व फायदेमंद होते हैं। यह एक मिथ है कि इससे गर्भपात हो सकता है या लेबर पेन हो सकता है। गर्भपात का सवाल ब्रोमेलेन के कारण उठता है, क्योंकि यह प्रोटीन को ब्रेक करता है तो शरीर में ज्यादा ब्रोमेलेन से ब्लीडिंग हो सकती है। हालांकि, अनानास में इसकी मात्रा इतनी ज्यादा नहीं होती है कि इससे प्रेग्नेंसी में कोई नुकसान हो। जिन्हें अनानास से एलर्जी है। जिन्हें एसिडिटी, गैस की समस्या है। जिन्हें किडनी से जुड़ी बीमारी है। जो खून पतला करने वाली दवाएं खा रहे हैं। जिनके दांतों में सेंसिटिविटी या सड़न है।

मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति से अनुमति मांगी

एक तो सत्ता चली गई अब मनी लॉन्ड्रिंग मामला फिर होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति से अनुमति मांगी है। अमित शाह के मंत्रालय ने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि वो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत न्यायालय में मामला चलाने के लिए अभियोजन की अनुशंसा को स्वीकार करें। आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमूल-चूल बदलावों का दावा किया करती है।

सत्येंद्र जैन स्वास्थ्य मंत्री हुआ करते थे जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाना पड़ा था। 8 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के आए नतीजों में हार के बाद आप दिल्ली की सत्ता से बाहर चली गई। इस बीच उसके मंत्रियों और नेताओं पर शिंकजा कसना जारी है।

सत्येंद्र जैन को प्रवर्तन निदेशायल ने मनी लॉड्रिंग के मामले में 30 मई, 2022 को गिरफ्तार किया था। दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने 18 अक्तूबर, 2024 को उन्हें यह कहते हुए जमानत दे दी थी कि केस का ट्रायल जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। तब से वो जमानत पर रिहा हैं। जैन के तिहाड़ जेल में रहते मसाज करने का वीडियो वायरल हुआ था। बहरहाल, हम जानते हैं कि आखिर क्या है भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 जिसके तहत केंद्र सरकार को सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति के पास जाना पड़ा।

यह तो हम सब जानते हैं कि वर्षों से चले आ रहे भारतीय आपराधिक प्रक्रिया संहिता की जगह 1 जुलाई, 2024 से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 लागू हो गई। इसकी धारा 218 में जज, मजिस्ट्रेट और सरकारी अफसरों पर मुकदमा चलाने के नए नियम बताए गए हैं। यह धारा बताती है कि अगर कोई जज, मजिस्ट्रेट या सरकारी अफसर अपने काम के दौरान कोई अपराध करता है, तो उस पर मुकदमा कैसे चलाया जा सकेगा। कानून कहता है कि सरकार को 120 दिनों के अंदर फैसला लेना होगा। अगर 120 दिनों में कोई जवाब नहीं आता, तो मान लिया जाएगा कि सरकार ने मंजूरी दे दी है। कुछ अपराध ऐसे हैं जिनके लिए मंजूरी की जरूरत नहीं होती। जैसे, धारा 64 (गैरकानूनी जमावड़ा), धारा 65 (दंगा), और धारा 199 (झूठा बयान)। अगर किसी सरकारी अफसर पर गैरकानूनी जमावड़े में शामिल होने का आरोप है, तो उस पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी नहीं चाहिए। धारा 218(1) के मुताबिक, अगर कोई जज, मजिस्ट्रेट या ऐसा सरकारी अफसर, जिसे सिर्फ सरकार की मंजूरी से ही नौकरी से हटाया जा सकता है, अपने काम के दौरान किसी अपराध में फंसता है, तो उस पर मुकदमा चलाने से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी। कोर्ट बिना सरकार की अनुमति के मुकदमा नहीं सुन सकता। हां, लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत कुछ अलग नियम हो सकते हैं। यह नियम केंद्र सरकार और राज्य सरकार, दोनों के कर्मचारियों पर लागू होता है।

धारा 218(2) फौजियों के लिए है। अगर कोई फौजी अपनी ड्यूटी के दौरान कोई अपराध करता है, तो उस पर मुकदमा चलाने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी लेनी होगी। धारा 218(3) कहती है कि राज्य सरकार चाहे तो धारा 218(2) के नियमों को राज्य के उन बलों पर भी लागू कर सकती है, जो कानून-व्यवस्था बनाए रखते हैं। ऐसे में राज्य सरकार की मंजूरी जरूरी होगी।धारा 218(4) बताती है कि अगर किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है, तो वहां कानून-व्यवस्था संभालने वाले बलों पर मुकदमा चलाने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी जरूरी है। धारा 218(5) कहती है कि केंद्र सरकार या राज्य सरकार तय करेगी कि मुकदमा कौन चलाएगा, किस अपराध के लिए मुकदमा चलेगा, और किस कोर्ट में मुकदमा चलेगा।

दौरा खत्म अमेरिका से भारत के लिए क्या-क्या लेकर आ रहे मोदी? 10 बड़ी बातें

अमेरिका में सफल रही पीएम मोदी की कूटनीति

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा से भारत लौट रहे हैं। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने न सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर कई बड़े समझौते किए बल्कि कई ऐसे विषयों पर भी बात की, जिसे पाक और चीन को मिर्ची लगेगी। बीते 24 घंटों में ही भारत ने अपनी कूटनीति दिखाते हुए अमेरिका के साथ व्यापार शुल्क, 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के सफल प्रत्यर्पण आदेश और एफ-35 लड़ाकू विमानों से संबंधित रक्षा सौदे पर बड़ी चर्चा की।

पीएम ने इसी के साथ दोनों देशों की मजबूत दोस्ती को और बेहतर बनाया। ट्रंप ने भी पीएम की तारीफ की और उन्हें 'एक बेहतर नेगोशिएटर' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की घोषणा की, इस कदम की भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहना की। भारत और अमेरिका के बीच बड़े ट्रेड रूट पर मिलकर काम करने पर सहमति बनी है। ट्रंप ने कहा कि ये दुनिया का सबसे खास ट्रेड रूट होगा। ये भारत से इजरायल, इटली और फिर अमेरिका तक चलेगा। इसमें सड़क, रेल और समुद्र के नीचे केबल बिछाई जाएंगी।

भारत ने 2008 से अब तक 20 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी रक्षा उत्पाद खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। यही नहीं अमेरिका भारत को उन्नत एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान की भी आपूर्ति करेगा। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। ट्रंप ने कहा कि इस साल से भारत को सैन्य बिक्री में अरबों डॉलर की वृद्धि होगी। भारत इसी के साथ कई तेल और गैस ऊर्जा को बड़ी मात्रा में खरीद करेगी। दोनों नेताओं में अवैध प्रवासी-खालिस्तान और बांग्लादेश हिंसा पर भी बात हुई। पीएम ने इसी के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और अन्य शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों के साथ निर्णायक वार्ता की।

संभावना है कि इस वार्ता के दौरान कई ट्रेड डील के बारे में भी बात हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत और अमेरिका 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की टीमें पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सहयोग करेंगी।

अमेरिकी यात्रा के दौरान ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु ऊर्जा में अपने विश्वास की पुष्टि की है। दरअसल, गुरुवार को व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं की बातचीत के बाद उन्होंने भारत में अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए परमाणु रिएक्टरों पर बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण और संभावित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। जानकारी दें कि भारत और अमेरिका के बीच 2008 में ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे। उस समय से वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई है। 21वीं सदी में कोई भी नया अमेरिकी परमाणु रिएक्टर भारतीय धरती पर नहीं पहुंचा। बता दें कि भारत सरकार और वेस्टिंगहाउस आंध्र प्रदेश के कोव्वाडा में छह 1,000 मेगावाट के परमाणु रिएक्टर बनाने की परियोजना पर भी चर्चा कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका द्वारा डिजाइन और रिएक्टर को भारत को देने और टेक्नॉलजी ट्रांसफर कर के भारत में रिएक्टर बनाने को लेकर भी बात कही है।

मोदी को गले लगाते हुए ट्रंप ने ऐसा क्या कह दिया? बौखला गया पाक

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना 2 दिवसीय अमेरिका दौरा संपन्न करके नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान डिफेंस लेकर इमीग्रेशन तक के मुद्दों पर बात हुई है।

मोदी ट्रंप की महामुलाकात से पड़ोसी देश पाकिस्तान हैरान परेशान नजर आ रहा है। दोनों देशों की ओर से संयुक्त बयान जारी किया गया. दोनों देशों के बयान में पाकिस्तान के आतंकवाद को समर्थन देने का मुद्दा भी शामिल था। संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने मुंबई हमलों जैसे जघन्य कृत्यों को रोकने के लिए अल-कायदा, आईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा सहित आतंकवादी समूहों से आतंकी खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इस बात की पुष्टि की कि आतंकवाद के वैश्विक खतरे से लड़ा जाना चाहिए और दुनिया के हर कोने से आतंकवादियों के पनाहगाहों को खत्म किया जाना चाहिए। पाकिस्तान ने भारतीय प्रधान मंत्री नेरंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा क्षेत्र में आतंकवाद को समर्थन की निंदा करने के बाद अपनी नाराजगी व्यक्त की और स्पष्ट रूप से कहा कि वह अपने क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी संगठनों द्वारा अन्य देशों पर हमले करने के लिए न करने दे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफ़कत अली खान ने कहा कि 'पाकिस्तान-विशिष्ट' विवरण का उल्लेख एकतरफा, भ्रामक और राजनयिक मानदंडों के खिलाफ था। संयुक्त बयान में कहा गया है कि 26/11 को मुंबई में हुए हमलों और 26 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान में एबी गेट बम विस्फोट जैसे जघन्य कृत्यों को रोकने के लिए आतंकी समूहों से आतंकवादी खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

मेष :- जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

वृषभ :- शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन :- संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्क :- विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंह :- अंतर्मुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कन्या :- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुला :- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुविधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिक:- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनु :- कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं।

कुंभ :- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी।

मीन :- नकारात्मक चिंताओ को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियो के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग मिलेगा।

पूर्ण बहुमत, 3 साल बाकी, फिर क्यों लगा राष्ट्रपति शासन?

इंफाल। मणिपुर में केंद्र सरकार ने अपनी ही बीरेन सिंह सरकार की विदाई कर दी और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। पीएम नरेंद्र मोदी के 11 साल के शासनकाल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब बीजेपी शासित पूर्ण बहुमत की सरकार वाले राज्य में केंद्र ने अनुच्छेद 356 लागू किया है। राष्ट्रपति शासन लागू करने से पहले सीएम ने इस्तीफा दे दिया था और नए नेतृत्व की संभावना जताई जा रही थी। तीन दिनों की रस्साकशी के बाद भी नए सीएम का चुनाव नहीं हो सका।

मणिपुर में एन.बीरेन सिंह ने 2022 में दूसरी बार सरकार बनाई थी और तीन साल का कार्यकाल अभी बचा हुआ है। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्ज़ा मिलने के बाद 3 मई 2023 को मणिपुर में हिंसा का दौर शुरू हुआ। कुकी और मैतेई के बीच हुई झड़पों में 237 लोग मारे गए, करीब 1500 घायल हुए। 60 हजार से अधिक लोगों ने मणिपुर से पलायन किया। पिछले डेढ़ साल से जारी मणिपुर हिंसा के कारण पीएम नरेंद्र मोदी की लगातार आलोचना हुई, मगर बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व सीएम एन. वीरेन सिंह के साथ बना रहा। 9 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले उनसे इस्तीफा लिया गया। 10 फरवरी से शुरू होने वाला विधानसभा के सत्र को भी अचानक स्थगित कर दिया गया। इस्तीफ़े के चार दिन बाद 13 फरवरी को केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला किया। संवैधानिक नियमों के तहत दो विधानसभा सत्र के बीच 6 महीने का गैप ही हो सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो विधानसभा भंग करनी होगी। मणिपुर हिंसा के बाद सीएम एन.बीरेन सिंह पर पक्षपात के आरोप लगे। कुकी संगठनों का आरोप है कि संवैधानिक पद पर बैठे सीएम ने खुले तौर पर मैतेई गुटों का पक्ष लिया। इससे जुड़े एक वीडियो पर काफी विवाद भी हुआ। इसके बाद भी बीजेपी ने मणिपुर में नेतृत्व बदलने पर विचार नहीं किया। बताया जा रहा है कि कुकी संगठनों ने शांति वार्ता के लिए बीरेन सिंह के इस्तीफ़े की शर्त रखी थी। इस बीच सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ बीजेपी के विधायक ही लामबंद होते रहे। सूत्रों के मुताबिक, राज्य के करीब 19 विधायक बीरेन सिंह से नाराज थे। अक्टूबर 2024 उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर सीएम बदलने की मांग की थी। इसके बाद अमित शाह ने मणिपुर को संभालने की कोशिश की, मगर पार्टी में असंतोष बढ़ता गया। 10 फरवरी को विधानसभा सत्र के पहले दिन विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की थी।

बीजेपी को डर था कि इस अविश्वास प्रस्ताव को बीजेपी के बागियों का समर्थन मिल सकता है। अगर ऐसा होता तो केंद्रीय नेतृत्व की किरकिरी होना तय था। फ्लोर टेस्ट से पहले ही सीएम ने इस्तीफा दिया और राज्यपाल अजय भल्ला ने विधानसभा सत्र को स्थगित कर दिया। सीएम की रेस में स्पीकर थोकचोम सत्यब्रत सिंह, वाई.खेमचंद सिंह, टी बिस्वजीत और गोविंददास कोंथौजम के नाम सामने आए, मगर सहमति नहीं बन पाई। सूत्रों के अनुसार एन.बीरेन सिंह के समर्थन में करीब 15 विधायक हैं, जो अन्य नामों पर राजी नहीं हुए।

न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला, विकिरण से तबाही का खतरा

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के चेर्नोबिन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया है, जिसमें न्यूक्लियर पावर प्लांट के संवेदनशील हिस्से को बड़ा नुकसान हुआ है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ये जानकारी दी है। चेर्नोबिल को दुनिया की सबसे बड़ी नागरिक परमाणु आपदा के लिए जाना जाता है। 1986 में इसके चार रिएक्टरों में से एक में विस्फोट हुआ था। उस रिएक्टर को अब तक प्रोटेक्टिव शेल्टर से घेर दिया गया है, ताकि विकिरण को रोका जा सके। जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी ड्रोन हमले में रिएक्टर के रेडिएशन शेल्टर को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा है। जेलेस्की ने कहा कि रूसी ड्रोन ने न्यूक्लियर पावर प्लांट में नष्ट हो चुकी बिजली यूनिट के शेल्डर पर हमला, जिससे आग लगा। बाद में आग को बुझा दिया गया। ज़ेलेंस्की ने कहा, 'अभी तक विकिरण का स्तर नहीं बढ़ा है और लगातार निगरानी की जा रही है।' प्रारंभिक आकलन के हवाले से काफी नुकसान की बात कही गई है। जेलेंस्की ने एक बयान में कहा कि ड्रोन ने रिएक्टर 4 के प्रोटेक्टिव शेल्टर पर हमला किया। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस घटना की पुष्टि की, जिसमें रिएक्टर के रेडियोधर्मी अवशेषों को रखने वाले न्यू सेफ कन्फाइनमेंट के पास विस्फोट की सूचना दी गई। आईएईए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 13-14 फरवरी की रात को लगभग 1.50 बजे चेर्नोबिल साइट पर आईएईए की टीम ने न्यू सेफ कन्फाइनमेंट से एक विस्फोट सुना, जो पूर्व चेर्नोबिल एनपीपी के रिएक्टर 4 के अवशेषों की सुरक्षा करता है। उन्हें बताया गया कि एक यूएवी ने एनएससी की छत पर हमला किया है। एजेंसी ने आगे कहा, 'अग्निशमन सुरक्षा कर्मियों और वाहनों ने कुछ ही मिनटों में प्रतिक्रिया दी। इस समय एनएससी के आंतरिक नियंत्रण में किसी उल्लंघन का कोई संकेत नहीं है। अंदर और बाहर विकिरण का स्तर सामान्य और स्थिर बना हुआ है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कार्रवाई शुरू: ट्रेन का तोड़ रहा था गेट, घसीटते ले गई आरपीएफ

देखते ही जब रेलवे पुलिस ने तुरंत लिया एक्शन तो खुश हो गए सोशल मीडिया यूजर्स

ट्रेन का गेट तोड़ने वाले एक शख्स को रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने प्लेटफॉर्म पर ही पकड़ लिया। अब इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर जमकर व्यूज बटोर रहा है। पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने वाले शख्स पर हुई कार्रवाई से तमाम सोशल मीडिया काफी खुश हैं। भारतीय रेलवे एक पब्लिक प्रॉपर्टी है। ऐसे में उसे नुकसान पहुंचाना हर उस व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने जैसा होता है, जो अपनी मेहनत से टैक्स भरता है और अपने लिए बेहतर संसाधनों की उम्मीद रखता है। लेकिन कभी-कभार कुछ लोग जोश में आकर होश खो बैठते है और ट्रेन पर ही अटैक करने लगते है। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिलता है। जब एक शख्स ट्रेन का दरवाजा बंद होने पर उसका शीशा तोड़ने में लग जाता है। यह देखकर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंचकर तुरंत उसे धड़ लेती है। यह वीडियो जैसे ही इंटरनेट पर वायरल हुआ, भारतीय रेलवे में सफर करने वाली जनता, आरपीएफ की कार्रवाई देखकर संतुष्ट हो गई।

इस वीडियो में एक शख्स ट्रेन के दरवाजे पर लगे शीशे को तोड़ता नजर आता है। पहले वह शख्स हेलमेट से गेट की खिड़की पर लगे शीशे पर वार करता है। उसके बाद वह गेट पर लगे हैंडल पर खुद लटक कर उसे तोड़ने की कोशिश करने लगता है। लेकिन उसकी इस कोशिश के चलते वहां पर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स उसे पकड़ लेती है। शख्स को पकड़ने के बाद पुलिस वाला उसे प्लेटफॉर्म पर घसीटता हुआ ले जाता है। इसी के साथ करीब 17 सेकंड की यह छोटी-सी क्लिप खत्म हो जाती है। यूजर्स ने भी इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दिए है। जिसमें वह रेलवे की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने वाले पर पुलिस की कार्रवाई की प्रशंसा कर रहे हैं। एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- क्लिप के अंत में रेलवे पुलिस एक व्यक्ति को कॉलर पकड़कर घसीटती है, जो ट्रेन के दरवाजे तोड़कर अंदर घुस रहा होता है। ऐसे लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। रेलवे सेवा ने किया अच्छा काम। इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक 11 लाख से ज्यादा व्यूज और 22 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। जबकि वीडियो पर साढ़े 400 से ज्यादा कमेंट्स आए हैं। ट्रेन को नुकसान पहुंचाने वाले बंदे पर हुई कार्रवाई से ज्यादातर यूजर्स खुश है। एक शख्स ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- आखिरकार वास्तविक अपराध पर कुछ कार्रवाई देखने को मिली! दूसरे यूजर ने कहा कि यह सच में बहुत अच्छा है। तीसरे यूजर ने कहा कि उसे अन्य लोगों के सामने ही अच्छे से समझाना था। ताकि वह दोबारा पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान न पहुंचाएं। चौथे यूजर ने लिखा कि ऐसे लोगों पर लाठीचार्ज कर सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए।

तीर्थयात्रा का सबसे रोमाँचक एवं यादगार पड़ाव - दिव्य लोक में विचरण की अनुभूति

ऐसे दुर्गम स्थलों में बसकर घर-गाँव तैयार किए-6

गतांक से आगे

मनमोहन मिश्र

यहाँ कुछ महिलाएं दोनों हाथों में किल्णीं (छोटी कुदाली) लेकर खुदाई करती हुईं दिखीं, जो स्वयं में एक विरल दृश्य था। लोअर भेलंग से सीधे नीचे उतरते हुए नाला क्रोस करते हैं और फिर सीधी चढ़ाई के संग काफिला आगे बढ़ता है। बता दें कि सभी लोग जूता पहनकर ट्रेकिंग कर रहे थे लेकिन गुर व पूजारी पुला (धान की घास के बने पारंपरिक जुत्ते, जिन्हें शुद्ध माना जाता है) पहनकर आगे बढ़ रहे थे। दल लगभग 10 बजे आगम डूगा पहुँचता है, जो चरवाहों के रुकने का एक बेहतरीन मैदानी सा स्थान है, जो खोरशु (हिमालय की ऊंचाई में ओक (बांज) प्रजाति का एक सदाबहार वृक्ष) के जंगल से घिरा हुआ स्थान है। यहाँ से चंद्रखणी साइड की बर्फिली धार स्पष्ट दिख रही थी। यहीं पर भोजन-विश्राम होता है और इसके बाद दोपहर डेढ़ बजे काफिला आगम-डूगा से आगे बाबा ताड़ी की चढ़ाई को चढ़ाई को पार करता है।

यहाँ की खड़ी चढ़ाई को पार करते हुए लगभग अगले आधा घण्टा धार के साथ आगे बढ़ते हुए फिर इस यात्रा का सबसे कठिन रुट सामने था। रास्ते में थकने पर काफिला कुछ देर विश्राम कर दम भरता व आगे के लिए तैयार होता है। आगे डेंजर जोन की खड़ी चढ़ाई में काफिले की अग्नि परीक्षा शुरु होती है, जहाँ एक किमी को पार करने में लगभग डेढ़ घंटे लग जाते हैं। आग लगने के कारण मार्ग में पकड़ने के लिए झाड़ियां तक गायब थी। किसी तरह कुल्हाड़ी तथा किल्हणी (छोटी कुदाली) से जमीं खोदकर खड़ी चढाई में स्टेप्स बनाए जाते हैं। पीठ पर 10, 15 से 25 किलो का बोझा लादे हर व्यक्ति दैवी संरक्षण के भरोसे अपना पूरा साहस बटोरते हुए आगे बढ़ रहा था। खतरे का आलम यह था कि एक भी कदम किसी का स्लिप हो गया, तो समझो गया सीधा नीचे खाई में। दिल को थामे, फूलती सांस, धड़कते दिल के साथ चढ़ाई पार होती है। यहां की खड़ी चढ़ाई के नीचे की खाई के उस पार जरी साइड का ब्लाधि नाला पड़ता है और इस ओर दोहरा नाला, जो आज का अगला पड़ाव था। इस खाई को पार करते हुए पथिक की सारी हंसी-मजाक गायब हो चुके थे, सारा ध्यान अगले कदम पर था। जीवन-मृत्यु के बीच झूलते इन पलों में घर परिवार संसार के सकल विचार गायब हो चुके थे। सिर्फ मंजिल सामने थी और दृष्टि अपने अगले कदम पर केंदित। काफिला सीधे लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था। देखा जाए तो जीवन में भी येही पल सबसे वहुमूल्य होते हैं, जब व्यक्ति का पूरा ध्यान लक्ष्य केंद्रित होता है, जब सारे डिस्ट्रेक्शन्ज विलुप्त हो जाते हैं। येही एकांतिक पल जीवन में लक्ष्य सिद्धि को संभव बनाते हैं।

इस टफ रुट की खड़ी चढ़ाई का आरोहण कर काफिला दोहरानाला टॉप पहुँचता है, शाम के पाँच बज रहे थे। यहाँ जमीं बर्फ के साथ स्वागत होता है। इसी बर्फिले रास्ते के संग अगले आधा घंटा काफिला नीचे उतरता है। चारों ओर बर्फ ही बर्फ थी। इसी बर्फ पर चलते हुए काफिला आगे बढ़ रहा था। एक तरफ शरगढ़ की झाडियाँ और दूसरी ओर खोरशु के पेड़ों के बीच बर्फ के ऊपर सब नीचे उतर रहरे थे। आधे घंटे वाद शाम 5.30 बजे दोहरा नाला पर आकर काफिला रुकता है, जो चंद्रखणी की ओर के उम्बला रुआड़ तथा दोहरानाला टॉप से आ रहे दो नालों का संगम स्थल है। इसीलिए इसे दोहरा नाला कहा जाता है औऱ यही आगे चलकर नीचे काईस नाला का रुप लेता है। यहाँ बर्फ के ग्लेशियर के बीच बहते नाले का निर्मल जल अपने शोर करते कलकल निनाद के साथ एक ताजगी भरा अहसास दिला रहा था। लगा जैसे कि आज तक की पिछली तपस्या का फल यहाँ मिल रहा हो। कुछ इसके आपपास तो कुछ इससे ऊपर प्राकृतिक रुआड़ (गुफाओं) में रात के रुकने के तम्बू गाड़ लेते हैं। यहाँ खाना बनाना सबसे कठिन था, बर्फिली हवा और गीली लकड़ियाँ। काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी आग जलाने व खाना बनाने में यहाँ। औऱ यहाँ सबसे अधिक ठँड भी थी। तापमान माइनस में था। सुबह जब उठे तो जुत्ते तक जम चुके थे। बाहर पूरा पाला पड़ा हुआ था। आज की रात अब तक की सबसे ठंडी रात रही। यहाँ आस-पास चट्टानी पहाड़ों में प्राकृतिक रुप से बने कई रुआड़ (गुफाएं) थे जिनमें बारिश-बर्फवारी के बीच गड़रिये व प्रकृतिप्रेमी ट्रैक्कर रुकते हैं। सुबह 6.30 बजे देव काफिला यहाँ से आगे के लिए कूच करता है। दोहरा नाला से आगे कहीं चढ़ाई, तो कहीं उतराई भरी राह को पार करते हुए डेढ़ घंटे में काफिला भूचकरी टॉप पहुंचता है। पूरा सफर बर्फ के ऊपर पूरा होता है। रास्ते भर औसतन दो-अढाई फीट बर्फ थी।

शांघड़ सैंज घाटी का नजारा

शेष अगले अंक में जारी...